



दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

असली आजादी

वर्ष: 22, अंक: 27 ■ दमण, शुक्रवार 16, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

आदिवासी बहुल दादरा नगर हवेली में विभिन्न परियोजनाओं के निरीक्षण हेतु प्रशासक प्रफुल पटेल का तीन दिवसीय दौरा शुरू



■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने नरोली प्रवेश द्वार, नरोली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सी. सी. सेंपल रोड कनाड़ी, अथाल टी जंक्शन एफओबी, यात्री निवास पिपरिया रिंग रोड, दयात फलिया स्कूल, पंचायत मार्केट, सेंट्रल पार्क, कलाकेन्द्र रोड, सब्जी मंडी, नमो हॉस्पिटल फेस-II, लाइंस एफओबी अंडरपास जंक्शन, सिलवासा बस स्टैंड, मसाट स्कूल सहित अन्य विकास कार्यों का किया निरीक्षण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 15 अक्टूबर। केन्द्रशासित प्रदेश श्रीडी के आदिवासी बहुल दादरा नगर हवेली में सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की ग्राउंड जीरो पर समीक्षा करने के लिए प्रशासक प्रफुल पटेल का तीन दिवसीय दानह दौरा आज से शुरू

हो गया है। दौरे के पहले दिन प्रशासक प्रफुल पटेल ने नरोली प्रवेश द्वार, नरोली उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सी. सी. सेंपल रोड कनाड़ी, अथाल टी जंक्शन एफओबी, यात्री निवास - पिपरिया रिंग रोड, दयात फलिया स्कूल, पंचायत मार्केट, सेंट्रल पार्क, कलाकेन्द्र रोड, सब्जी मंडी,

नमो हॉस्पिटल फेस-II, लाइंस एफओबी अंडरपास जंक्शन, सिलवासा बस स्टैंड, मसाट स्कूल सहित अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रशासक प्रफुल पटेल ने विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा कर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये। इस निरीक्षण दौरे में प्रशासन

के वरिष्ठ अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारी भी उपस्थित थे, जिन्होंने विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। संपूर्ण परियोजनाओं के विकास कार्यों की समीक्षा के पश्चात प्रशासक प्रफुल पटेल ने संतोष व्यक्त किया और सभी अधिकारियों को गुणवत्ता और गति पर विशेष

ध्यान देने के लिए सुझाव दिये। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण किया जाए। उनका कहना था कि प्रशासन विकास कार्यों के समय पर पूर्ण होने और उत्कृष्ट निष्पादन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।



डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में माछी समाज की टीम रही उपस्थित: माछी समाज ने मां अंबे की आरती उतारकर लोक कल्याण की कामना की



■ दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल और उनकी टीम ने माछी समाज के प्रमुख चंद्रकांत काटेला सहित माछी समाज के सभी सदस्यों का किया स्वागत ■ डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में बड़ी संख्या में खेलैया खेलते हैं गरबा: ईनामों की होती है बौछार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 15 अक्टूबर। दमण के प्रसिद्ध दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के नवरात्रि महोत्सव में बित्ती रात दमण माछी समाज की टीम को आमंत्रित किया गया था। माछी समाज के प्रमुख चंद्रकांत

काटेला और उनकी पूरी टीम ने डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में उपस्थित होकर मां अंबे की आरती उतारकर लोक कल्याण की कामना की थी। इस अवसर पर दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के चेयरमैन लखम टंडेल और उनकी टीम ने माछी

समाज के प्रमुख चंद्रकांत काटेला सहित माछी समाज के सभी सदस्यों का गर्म जोशी से स्वागत किया था। गौरतलब है कि डीडीए का नवरात्रि महोत्सव दमण जिले का सबसे बड़ा नवरात्रि महोत्सव है। पिछले द्वादश दशक से ज्यादा

समय से दिलीपनगर ग्राउंड पर लखम टंडेल के नेतृत्व में डीडीए द्वारा यह भव्य आयोजन होता आया है। डीडीए के नवरात्रि महोत्सव में बड़ी संख्या में खेलैया पारंपरिक वेशभूषा में गरबा खेलते हैं और डीडीए की ओर से ईनामों की बौछार भी

होती है। हर वर्ष डीडीए द्वारा विभिन्न अग्रणी संगठनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों सहित अन्य अग्रणियों को आमंत्रित किया जाता रहा है। इस वर्ष भी लगातार इस नवरात्रि महोत्सव में अग्रणियों का आना जारी है।

राहुल गांधी का ‘पॉलिटिकल रजिस्टेंस’ लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता के जरिए भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है: प्रदीप भंडारी

■ राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल नेहा बोरा भारत में बांग्लादेश जैसा आंदोलन चाहती हैं, जिससे कांग्रेस का असली मकसद उजागर हो चुका है: प्रदीप भंडारी ■ राहुल गांधी को स्पष्ट करना होगा कि वे लोकतांत्रिक विरोध चाहते हैं या बांग्लादेश जैसी अराजकता का समर्थन करते हैं?: प्रदीप भंडारी ■ प्रशांत भूषण के क्रांति और खून-खराबे वाले बयान के महज 24 घंटे बाद राहुल गांधी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस महज संयोग नहीं, बल्कि यह एक गंभीर पैटर्न की ओर संकेत करती है: प्रदीप भंडारी ■ देश की जनता का जनमत सड़कों पर भीड़ जुटाने से नहीं, चुनावों में मतदान से तय होता है: प्रदीप भंडारी ■ देश की जनता बार-बार चुनावों में राहुल गांधी की राजनीति को नकारकर अपना संदेश स्पष्ट कर चुकी है ■ ‘अराजकता को ना, लोकतंत्र को हां! परिवारवाद को ना, संविधान को हां! : प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के मीडिया सह-संयोजक एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री प्रदीप भंडारी ने आज गुरुवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में मीडिया को संबोधित किया और राहुल गांधी पर लोकतांत्रिक विरोध की आड़ में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। श्री भंडारी ने नेहा बोरा के बांग्लादेश जैसे आंदोलन संबंधी बयान और प्रशांत भूषण की क्रांति तथा खून-खराबे की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए इसे भारतीय लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध साजिश बताया। उन्होंने कहा कि देश में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान लोकतंत्र में जनता के विश्वास को दर्शाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने राहुल गांधी से नेहा बोरा के बयान पर स्पष्टीकरण मांगा और लोकतंत्र, संविधान तथा जनादेश का सम्मान करने की अपील की। श्री प्रदीप भंडारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से राहुल गांधी द्वारा ‘पॉलिटिकल रजिस्टेंस’ शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। आज प्रस्तुत किए जाने वाले तथ्य यह साबित कर देंगे कि राहुल गांधी का मकसद लोकतांत्रिक विरोध करना नहीं, बल्कि अराजकता की आड़ में भारत के लोकतंत्र को तहस-नहस करना है। सभी लोगों ने नेहा बोरा और राहुल गांधी का वीडियो ध्यान से देखा होगा। राहुल गांधी ने जब अपना अराजक मार्च निकाला था, तब नेहा बोरा को उसका चेहरा बनाया था। इसका मतलब है कि नेहा बोरा के विचार

भी वही हैं, जो राहुल गांधी के हैं। नेहा बोरा ने कल एक इंटरव्यू में कहा कि यह आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है। जिस तरह बांग्लादेश में हुआ, ठीक वैसा ही वे चाहते हैं कि हिंदुस्तान में भी हो। ये शब्द नेहा बोरा के हैं, लेकिन विचार राहुल गांधी के हैं। एक तरफ राहुल गांधी नेहा बोरा को अपने साथ जोड़कर उन्हें अपने आंदोलन का चेहरा बना रहे हैं, तो दूसरी तरफ वही नेहा बोरा कह रही हैं कि वे भारत में बांग्लादेश जैसा अराजक जेन-जी आंदोलन चाहते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में क्या हुआ था, यह सभी को पता है। वहां इस्लामिस्टों के एक समूह ने भीड़ और अराजकता का सहारा लेकर पूरी व्यवस्था को तहस-नहस करने का प्रयास किया था। उनका मकसद ‘रिजीम चेंज’ था। अब यह साबित हो चुका है कि जब राहुल गांधी लोकतांत्रिक तरीके से अपने परिवार को सत्ता में नहीं ला पा रहे हैं, तो राहुल गांधी और उनका पूरा इकोसिस्टम भारत के लोकतंत्र को तहस-नहस करने की साजिश रच रहा है। यह ‘पॉलिटिकल रजिस्टेंस’ नहीं, बल्कि एक ‘अराजक मार्च’ और ‘अराजक विद्रोह’ है। भारत का लोकतंत्र अराजकता को बढ़ावा देने या उसका समर्थन करने की अनुमति नहीं देता। यह अपनी तरह की इकलौती घटना नहीं है। प्रशांत भूषण एक ट्विटर स्पेस पर क्रांति की बात कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने खून-खराबे का भी जिक्र किया है। इसके ठीक 24 घंटे बाद

राहुल गांधी उसी प्रशांत भूषण के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं। घटनाओं की यह श्रृंखला एक पैटर्न की ओर संकेत करती है। राहुल गांधी का उद्देश्य लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता को अपनाना और उसे वैधता प्रदान करना है। यह लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि भारतीय व्यवस्था और भारतीय लोकतंत्र के खिलाफ लड़ाई है। श्री भंडारी ने कहा कि जो भी भारत के लोकतंत्र में विश्वास रखता है, उसे समझना होगा कि राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम झूठ के सहारे भारत की जनता के मन में लोकतंत्र, लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। हाल ही में हुए अलग-अलग चुनावों में देश की जनता ने 80 प्रतिशत से अधिक मतदान किया है। चाहे बेलोटे से चुनाव हो या ईवीएम से, त्रिपुरा में उपचुनाव हो या असम में उपचुनाव, दूसरा चुनाव हो या चंडीगढ़ में युवाओं का चुनाव, हर जगह देश का युवा राहुल गांधी की अराजकता का विरोध कर रहा है और उसका प्रतिरोध कर रहा है। इसके बावजूद, यदि राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल भारत में बांग्लादेश जैसा आंदोलन करना चाहती हैं, तो हमारा सीधा सवाल है कि क्या लोकतंत्र में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति इसका विरोध नहीं करेगा? क्या भारत के संविधान में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाएगा? कर्नाट प्लेस के

आसपास कांग्रेस और वामपंथी दलों के 10,000 कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटाने से देश का जनमत तय नहीं होता। देश का जनमत दूर-दराज के गांवों और देश के कोने-कोने से तय होता है। देश का यही जनमत कह रहा है - ‘अराजकता को ना, लोकतंत्र को हां! कांग्रेस को ना, संविधान को हां! राहुल गांधी को ना, भारतीय लोकतंत्र को हां!’ श्री प्रदीप भंडारी ने कहा कि हम सभी भारत और उसके लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले लोग हैं। नेहा बोरा के ये शब्द हैं, लेकिन विचार राहुल गांधी के हैं। राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम भारत में अराजकता को वैधता देना चाहते हैं और इसके बहाने अपने परिवार को सत्ता में लाना चाहते हैं। जितनी मेहनत राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम अराजकता फैलाने में लगा रहे हैं, यदि उतनी ही मेहनत और ताकत देश की जनता की सेवा करने में लगाते, तो शायद तीन-चार जगह कांग्रेस के वोट बढ़ जाते। राहुल गांधी पहले भी कह चुके हैं, ‘‘उनकी लड़ाई भाजपा के खिलाफ नहीं है, उनकी लड़ाई आएएसएस की विचारधारा के खिलाफ नहीं है, उनकी लड़ाई इंडियन स्टेट के खिलाफ है।’’ इंडियन स्टेट का अर्थ भारतीय संविधान और भारतीय लोकतंत्र है। जो पत्रकार लोकतांत्रिक तरीके से जमीन पर रिपोर्टिंग कर रहे हैं, उन्हें कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता घेरकर उन पर दबाव बनाने और उन्हें प्रताड़ित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज भारत में लोकतंत्र के

लिए हर व्यक्ति राहुल गांधी के खिलाफ खड़ा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि नेहा बोरा के शब्द राहुल गांधी के विचारों को स्पष्ट करते हैं। यदि ऐसा नहीं है और राहुल गांधी की मानसिकता अराजक नहीं है, तो उन्हें एक घंटे के भीतर नेहा बोरा के खिलाफ बयान देकर दिखाना चाहिए। राहुल गांधी हर घंटे ट्वीट करते हैं और अब रील बनाने के विशेषज्ञ बन चुके हैं। वे रील बनाने की प्रतिस्पर्धा में भी लगे हुए हैं। ऐसे में उन्हें एक घंटे के भीतर नेहा बोरा के खिलाफ बयान देना चाहिए। इस संदर्भ में हमारे कुछ सीधे सवाल हैं। पहला सवाल: क्या भारत में बांग्लादेश जैसा आंदोलन करने की बात यह स्पष्ट नहीं करती कि राहुल गांधी की अराजकता का प्रमाण सामने आ चुका है? दूसरा सवाल: राहुल गांधी और नेहा बोरा के विचारों में कोई अंतर नहीं है। क्या इससे यह स्पष्ट नहीं होता कि राहुल गांधी का विरोध राजनीतिक प्रतिरोध नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश है? तीसरा सवाल: क्या इससे यह साबित नहीं होता कि राहुल गांधी राजनीतिक प्रतिरोध के बहाने अराजकता फैला रहे हैं? चौथा सवाल: यह कोई अलग-थलग घटना या बयान नहीं है। नेहा बोरा कांग्रेस के पूरे इकोसिस्टम का चेहरा हैं। इससे ठीक पहले प्रशांत भूषण ने भी सड़क पर क्रांति और खून-खराबे की बात की थी। क्या घटनाओं और बयानों की यह श्रृंखला इस ओर संकेत नहीं



करती कि इनका मकसद भारतीय लोकतंत्र और भारतीय राज्य के खिलाफ विद्रोह खड़ा करना है? श्री भंडारी ने कहा कि इन सभी बातों का एक ही प्रमाण है कि आज यह साबित हो चुका है कि राहुल गांधी अराजकतावादी हैं। आत्मचिंतन करने के बजाय राहुल गांधी अपने पूरे इकोसिस्टम के माध्यम से अराजकता को बढ़ावा दे रहे हैं, उसका समर्थन कर रहे हैं और उसे अपना रहे हैं। जब राहुल गांधी और उनका इकोसिस्टम अराजकता को अपना रहे हैं। तो देश की जनता बार-बार मतपत्र के जरिए उन्हें जवाब दे रही है और ‘अराजकता को ना’ कह रही है। आज हमारा उद्देश्य स्पष्ट है - ‘अराजकता को ना, लोकतंत्र को हां! राहुल गांधी को ना, लोकतंत्र को हां! परिवारवाद को ना, लोकतंत्र को हां!’ आज देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई हो रही है। एक तरफ राहुल

गांधी और उनका इकोसिस्टम है, जो भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति चाहता है और भारतीय लोकतंत्र पर सवाल उठाना चाहता है। दूसरी तरफ ‘हम भारत के लोग’ हैं। आज जो भी राहुल गांधी का समर्थन करने का प्रयास कर रहा है, वह अराजकता का समर्थन कर रहा है। जो राहुल गांधी की पोस्टर गर्ल नेहा बोरा का समर्थन कर रहा है, वह भारत में इस्लामवादी, अलोकतांत्रिक और अराजक विद्रोह का समर्थन कर रहा है। राहुल गांधी का समर्थन करने वाला हर व्यक्ति भारतीय राज्य के खिलाफ अराजकता को वैधता देने का प्रयास कर रहा है। श्री प्रदीप भंडारी ने कहा कि आज राहुल गांधी के खिलाफ ‘हम भारत के लोग’ खड़े हैं और भारतीय लोकतंत्र राहुल गांधी के खिलाफ पूरी मजबूती से खड़ा है। राहुल गांधी ‘लोकतंत्र को फिर से हासिल करने’ की बात करते हैं,

लेकिन वास्तव में वे लोकतंत्र को नहीं, बल्कि परिवारवाद को फिर से स्थापित करने और अराजकता को वैधता देने की बात कर रहे हैं। आज देश में वास्तविक लड़ाई लोकतंत्र और राहुल गांधी के बीच, लोकतांत्रिक संस्थाओं और राहुल गांधी की अराजकता के बीच तथा लोकतांत्रिक विचारों और लोकतांत्रिक प्रतिरोध के बीच है। यह लड़ाई उस बांग्लादेश जैसी अराजकता के खिलाफ भी है, जिसे राहुल गांधी, उनकी पोस्टर गर्ल नेहा बोरा और उनके वैचारिक सहयोगी प्रशांत भूषण भारत में लाना चाहते हैं। हम देश की जनता से कहना चाहते हैं कि राहुल गांधी को सद्बुद्धि दें, ताकि वे अराजकता का रास्ता छोड़ें, देश से माफी मांगें और यह स्वीकार करें कि यदि उन्होंने इतनी मेहनत जनता की सेवा करने में लगाई होती, तो शायद कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ जाता।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लद्दाख में 3,350 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

■ आज लद्दाख में कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, ये परियोजनाएं यात्रा को सुगम बनाएंगी, बिजली अवसंरचना को बढ़ाएंगी, पानी की उपलब्धता को बढ़ावा देंगी और हमारी प्राचीन विरासत के संरक्षण को नई गति प्रदान करेंगी : प्रधानमंत्री ■ हमारा विशेष ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, यहां के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए, नई प्रौद्योगिकियों को सीखने का अवसर मिलना चाहिए और उन्हें अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इसलिए लेह में एक प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र का निर्माण किया जा रहा है : प्रधानमंत्री ■ नई खेल नीति के माध्यम से लद्दाख में खेल प्रतिभाओं को निखारने के प्रयास किए जा रहे हैं, हम स्थानीय युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर नई ऊंचाइयां छू सकें : प्रधानमंत्री

पीआईबी नई दिल्ली 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लद्दाख में लगभग 3,350 करोड़ रुपये की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया। वर्चुअल भागीदारी के माध्यम से क्षेत्र के विकास में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए, प्रधानमंत्री ने यात्रा को सुगम बनाने, बिजली और पानी की उपलब्धता में सुधार एवं प्राचीन विरासत को संरक्षित करने के लिए डिजाइन की गई कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने जांस्कर में ताजा बर्फकारी के बीच तिरंगा लहराने वाले नागरिकों के उत्साह का उल्लेख किया, साथ ही इन चुनौतीपूर्ण कार्यों को संपन्न करने वाले इंजीनियरों, मजदूरों, स्थानीय श्रमिकों और बीआरओ कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए लद्दाख के सभी लोगों की हार्दिक बधाई देता हूं। लेह में कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डे के टर्मिनल की पहली आधारशिला रखने को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने 650 करोड़ रुपये के सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह सुविधा केंद्र उड़ान क्षमता को तीन गुना कर देगा और वार्षिक यात्री हैंडलिंग क्षमता 10 लाख से बढ़कर 35 लाख हो जाएगी। उन्होंने रेखांकित किया कि यह टर्मिनल भारत का पहला टर्मिनल है जिसमें विषम जलवायु के अनुरूप सौर ऊर्जा के उपयोग

के साथ-साथ जियो थर्मल हीटिंग की सुविधा है, जो पारिस्थितिक देखभाल के साथ बुनियादी ढांचे के विकास को संतुलित करते हुए स्थानीय पर्यटन में नई ऊर्जा का समावेश करता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास स्थानीय पर्यावरण का पूरा ख्याल रखते हुए लद्दाख में आधुनिक अवसंरचना का विकास करना है। प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय संपर्क के रणनीतिक और आर्थिक मूल्य को रेखांकित करते हुए, 2,500 करोड़ रुपये की निम्न-पड़म-दारचा सड़क नागरिकों को समर्पित की, जिससे यात्रा का समय 12 घंटे से घटकर केवल 3 घंटे रह जाएगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यात्रियों के समय की बचत के अलावा, यह महत्वपूर्ण गलियारा स्थानीय वाणिज्य को अत्यधिक बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि यह सड़क व्यापार और व्यवसाय में भी बहुत मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने श्रीनगर-लेह ट्रांसमिशन लाइन के अपने पूर्व उद्घाटन के बाद, पुगा घाटी में जारी आधुनिक बिजली उत्पादन पहलों का उल्लेख करते हुए हनु जलविद्युत परियोजना और इससे जुड़े ट्रांसमिशन नेटवर्क को समर्पित किया। उन्होंने बताया कि विश्वसनिय बिजली घरों को रोशन करके हम चर्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा वितरण और छोटे स्तर के उद्यमों को सशक्त बनाकर ग्रामीण जीवन को बदल देती है, जिससे हर क्षेत्र को लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कृषि लचीलेपन और जल सुरक्षा

पर ध्यान केंद्रित करते हुए अमृत हिम सरोवर परियोजना के तहत विकसित 40 नवनिर्मित जलाशयों को स्थानीय समुदाय को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि इन जल निकायों को महत्वपूर्ण खेती चक्रों के दौरान कृषि अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये आवश्यकता के समय किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री ने 2019 में लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद से व्यापक बुनियादी ढांचे के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सड़क नेटवर्क 1,800 किलोमीटर से बढ़कर 4,000 किलोमीटर से अधिक हो गया है, प्रमुख पुल 19 से बढ़कर लगभग 75 हो गए हैं, हेलीपैड 7 से बढ़कर 40 से अधिक हो गए हैं, नल के पानी का कवरेज 3.5 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 99 प्रतिशत हो गया है, अस्पताल की बिस्तर दौगुने हो गए हैं और जारी जोजिला सुरंग सभी मौसम में राष्ट्रीय संपर्क प्रदान करने के लिए तैयार है। श्री मोदी ने कहा कि आज केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय समृद्धि के नए रास्ते खोलने के लक्षित प्रयासों को रेखांकित करते हुए, पूरे क्षेत्र में शीतकालीन और साहसिक पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने की ओर झुकाव किया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर आर्थिक कार्यकलापों को प्रोत्साहित करने के लिए वर्तमान में वाइब्रेंट विलेज

कार्यक्रम के तहत 40 से अधिक सीमावर्ती बस्तियों को अपग्रेड किया जा रहा है। इससे सुदूरवर्ती गांवों में भी रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतिथ्य और आधुनिक कृषि के तेजी से विस्तार के साथ-साथ स्थानीय होमस्टे भी लगभग 150 से बढ़कर 3,000 हो गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही संरक्षित खेती को निरंतर बढ़ावा देने पर प्रकाश डाला, जिसके परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र में 11,000 ग्रीनहाउस प्रचालनगत हो गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ाने की नई संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं। प्रधानमंत्री ने न्यायिक पहुंच के लिए लंबे समय से चली आ रही क्षेत्रीय मांग पर ध्यान देते हुए घोषणा की कि सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस साल अगस्त में लद्दाख के लिए एक उच्च न्यायालय की पीठ की स्थापना को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण संस्थागत आवश्यकता को पूरा करने से नागरिकों के लिए शासन और कानूनी सहारा दोनों को सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। यह प्रशासन के साथ-साथ न्याय प्रणाली को सुलभ बनाएगा।

होटल, रेस्तरां, होमस्टे और स्थानीय शिल्प के लिए आधुनिक वाणिज्य को आगे बढ़ाने में डिजिटल कनेक्टिविटी की भूमिका पर बल देते हुए, प्रधानमंत्री ने दूरस्थ क्षेत्रों में भारतनेट और हाई-स्पीड इंटरनेट के विस्तार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ई-गवर्नेंस, युवाओं के लिए ऑनलाइन शिक्षा और स्थानीय उद्यमियों के लिए वैश्विक बाजार एकीकरण तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज ऑनलाइन व्यापार आय के नए रास्ते खोल रहा है। युवा पीढ़ी के शैक्षिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए, प्रधानमंत्री ने आईआईटी जम्मू और आईआईएम जम्मू के सैलैब्रिट परिसरों के लिए प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ लेह में एक प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये प्रमुख संस्थान स्थानीय छात्रों को उनके द्वार पर ही उन्नत अनुसंधान और आधुनिक प्रौद्योगिकीय कौशल से सुसज्जित करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे लद्दाख के युवा अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नए कौशल के बेहतर अवसर प्राप्त करने में सक्षम होंगे।



आइस हॉकी, शीतकालीन खेलों और पर्वतारोहण में स्थानीय युवाओं द्वारा बनाई गई विशिष्ट एथलेटिक पहचान की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय प्रतिभाओं को निखारने के लिए लद्दाख की नई खेल नीति के कार्यान्वयन का स्वागत किया। उन्होंने स्थानीय एथलीटों को विश्व स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करने के लिए विश्व स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि हम

पारंपरिक पशमीना की विशाल व्यावसायिक क्षमता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार सक्रिय रूप से पशमीना की वैश्विक पहचान को मजबूत कर रही है और क्षेत्रीय वस्तुओं के लिए बाजार ब्रांडिंग का विस्तार कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि यहां के उत्पादों को नए बाजार मिलें, बेहतर ब्रांडिंग हो और उनका लाभ सीधे उत्पादकों तक पहुंचे। श्रद्धेय कुशोक बकुला रिनपोछे से प्रेरित प्राचीन मठों, बौद्ध परंपराओं और त्योहारों की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए, प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक रॉक कला की सुरक्षा के लिए लेह में भारत के पहले पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क का उद्घाटन

किया। उन्होंने कहा कि इस विरासत को संरक्षित करने से यह सुनिश्चित होता है कि आने वाली पीढ़ियां और वैश्विक आगंतुक इस क्षेत्र की पुरातनता से गहराई से जुड़ सकें। श्री मोदी ने कहा कि देश और दुनिया से आने वाले लोग भी लद्दाख के समृद्ध इतिहास से परिचित होंगे। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के विकास के प्रति गहरी आशावादिता के साथ अपने संबोधन का समापन किया और इस क्षेत्र को अभूतपूर्व विकासात्मक उपलब्धियां प्रदान करने के लिए सामूहिक कार्रवाई में अपना विश्वास दोहराया। उन्होंने नए शुरु किए गए बुनियादी ढांचे के कार्यों के लिए नागरिकों को बधाई और पारंपरिक शुभकामनाएं दीं।

सर्वोच्च न्यायालय के प्रांगण में नारेबाजी कर कांग्रेस ने न्याय के मंदिर को राजनीतिक अखाड़ा बनाने का प्रयास किया: गौरव भाटिया

■ प्रदर्शन के अधिकार की आड़ में गुंडागर्दी और नारेबाजी का लाइसेंस नहीं मिल जाता, फिर चाहे जगह सड़क हो या सर्वोच्च न्यायालय का प्रांगण: गौरव भाटिया ■ क्या राहुल गांधी को किसी महिला पुलिस अधिकारी को अनुचित तरीके से छूँकर उसकी गरिमा का उल्लंघन करने का अधिकार है? : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ■ गांधी परिवार की मानसिकता है कि वह कानून से ऊपर है, महिलाओं की अस्मिता की चिंता तभी की जाती है, जब वे गांधी परिवार से हों : गौरव भाटिया ■ भारत के मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ कांग्रेस की धमकी भरी भाषा ने न्यायपालिका के प्रति उसकी असंवैधानिक सोच उजागर कर दी : गौरव भाटिया ■ सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने धर्मांतरण के बाद एससी दर्जे के दावे पर रोक लगाकर कांग्रेस और सपा की धर्म आधारित आरक्षण की तुष्टिकरणकारी राजनीति को करारा झटका दिया : गौरव भाटिया ■ कांग्रेस और सपा के लिए संविधान से ऊपर वोट बैंक है, धर्म के आधार पर आरक्षण की राजनीति इनके तुष्टिकरण के एजेंडा है: गौरव भाटिया



नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आज गुरुवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया और कांग्रेस पर संविधान, न्यायपालिका तथा महिला पुलिसकर्मियों की गरिमा का अपमान करने का आरोप लगाया। श्री भाटिया ने बताया कि 10-11 अक्टूबर को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में प्रदर्शन और नारेबाजी के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और महिला पुलिसकर्मियों के साथ कथित

दुर्व्यवहार से संबंधित याचिका पर भी सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस जारी किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा न मिलने संबंधी फैसले को तुष्टिकरण की राजनीति पर प्रहार बताते हुए कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तुणमूल कांग्रेस की आलोचना की।

सर्वोच्च न्यायालय परिसर में राहुल गांधी के कृत्य पर सुप्रीम कोर्ट का रुख: गौरव भाटिया ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि राहुल गांधी किस तरह के नेता प्रतिपक्ष हैं। देशवासी भी मानते हैं

कि यह देश का दुर्भाग्य है कि ऐसा अराजक, अपरिपक्व गैर-जिम्मेवार और संविधान की समझ से अनभिज्ञ व्यक्ति नेता प्रतिपक्ष है। आज जो भी बात कही जाएगी, उसका एक-एक शब्द पूरी जिम्मेदारी के साथ कहा जाएगा और उसे दिखाया भी जाएगा। कांग्रेस पार्टी के दोहरे मापदंड हैं। एक ओर नवरात्रों में देवी स्वरूप की पूजा की जाती है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं की अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया जाता है और वहीं पहनी हमारी बहनो को गलत तरीके से छुआ जाता है। ऐसा केवल अपने उपनाम से जाने

जाने वाले गैर-जिम्मेदार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और संविधान विरोधी पार्टी ही करती है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि आज प्रदर्शन और एफआईआर को लेकर कई मामले सर्वोच्च न्यायालय में सूचीबद्ध थे। वरिष्ठ अधिवक्ता होने के नाते मैं भी सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष पेश हुआ। संविधान में प्रदर्शन करना देश के नागरिक मौलिक अधिकार है। लेकिन क्या प्रदर्शन का अधिकार अपनी सीमाएं पार करके और संविधान की परिधि से बाहर जाकर गुंडागर्दी और नारेबाजी करने का अधिकार देता है, चाहे वह सार्वजनिक स्थल हो, सड़क हो या सर्वोच्च न्यायालय का प्रांगण? प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए, कानूनी होना चाहिए, उसके लिए पूर्व अनुमति ली जानी चाहिए और वह निर्धारित स्थल पर ही होना चाहिए। यही भारत का कानून है, यही संविधान कहता है और सर्वोच्च न्यायालय के तमाम निर्णय भी यही बताते हैं। 10-11 अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के हजारों समर्थक देर रात, कार्य अवधि समाप्त होने के बाद, सर्वोच्च न्यायालय के प्रांगण में पहुंचते हैं और वहां नारेबाजी करते हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के प्रति प्रांगण और न्याय के मंदिर को धरना स्थल में परिवर्तित करने का प्रयास करना और भीड़तंत्र के जरिए न्यायपालिका को डराने की हरकत

राहुल गांधी जैसा अराजक और गैर-जिम्मेदार व्यक्ति ही कर सकता है। इस गंभीर कृत्य के विरोध में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने हस्ताक्षर करके एक ज्ञापन दिया और इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया। याचिका में राहुल गांधी को नामजद पक्षकार बनाया गया है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। श्री भाटिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का मतलब है संविधान विरोधी पार्टी। जब नेता प्रतिपक्ष ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलने का समय मांगा और माननीय मुख्य न्यायाधीश ने उसका उत्तर भी दिया, तो कांग्रेस की केरल इकाई ने अपने सत्यापित एक्स हैंडल से लिखा, रडियर सूर्यकांत... अगर कानून-व्यवस्था आपके कार्यक्षेत्र में नहीं आती है, तो अभी इस्तीफा दें। हम जल्द ही आपकी जगह किसी और को ढूँढ लेंगे। यह धमकी और ऐसी सोच राहुल गांधी के इशारे पर ही सामने आई है। जब यह पोस्ट प्रसारित हो गया, तो कांग्रेस पार्टी ने अपनी आदत के अनुसार, पहले नुकसान करो और फिर भाग जाओ, पोस्ट डिलीट कर दिया।

महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और अभद्रता के मामले में सुप्रीम कोर्ट का नोटिस: गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस द्वारा जब पितृसत्ता की

बात की जाती है, तो क्या महिला पुलिस अधिकारियों की गरिमा की चिंता करने वालों को यह नहीं बताना चाहिए कि क्या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की किसी महिला पुलिस अधिकारी को अनुचित तरीके से छूँकर उसकी गरिमा का उल्लंघन करने का अधिकार है? किसी भी पुलिस अधिकारी, चाहे वह पुरुष हो या महिला, को अपना कर्तव्य निभाने से रोकना हमारे देश के दंडात्मक कानूनों के तहत अपराध है। यह केवल राहुल गांधी की समस्या नहीं, बल्कि उनकी मानसिकता है कि हम गांधी परिवार हैं और कानून से ऊपर हैं। महिलाओं की अस्मिता की चिंता तभी की जाती है, जब वे गांधी परिवार से हों। दृश्यों में साफ दिखाई देता है कि प्रियंका गांधी वाड़ा एक महिला पुलिसकर्मियों को मारती हैं, कोहनी मारती हैं और धक्का देती हैं। इसके बाद वह अचानक अपने जेड-प्लस सुरक्षा घेरे में आकर बच निकलती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि जब शीर्ष नेता ऐसा व्यवहार करेंगे, तो कांग्रेस का कैड और अन्य विपक्षी दल भी यही मांगेंगे कि उन्हें पुलिस के साथ अभद्रता करने और महिला पुलिसकर्मियों के साथ छेड़छाड़ करने का अधिकार है। किसी भी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध अनुचित तरीके से छूना अपने आप में यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। तथाकथित

प्रदर्शनकारियों ने महिला पुलिसकर्मियों का इस तरह उत्पीड़न किया कि वे बेहोश हो गईं। यहां तक कि एक वरिष्ठ महिला पुलिसकर्मी ने दशकों की मेहनत से जो बैज अर्जित किए थे, उन्हें भी उखाड़ दिया गया। महिला पुलिसकर्मियों की गरिमा और मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित इस याचिका पर भी सर्वोच्च न्यायालय ने नोटिस जारी किया है।

धर्म के आधार पर आरक्षण के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला: श्री भाटिया ने कहा कि आज सर्वोच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसके अनुसार ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाने के बाद किसी व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले व्यक्तियों के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। ईसाई और इस्लाम धर्म में जाति व्यवस्था नहीं है। इसलिए संविधान का अनुसूचित जाति आदेश, 1950, बिल्कुल स्पष्ट है कि धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को आरक्षण या एससी/एसटी एक्ट के संदर्भ में लाभ नहीं मिलेगा। इस फैसले ने कांग्रेस पार्टी, समाजवादी पार्टी और टीएमसी की तुष्टिकरण की

विषैली राजनीति को सामने ला दिया है। श्री गौरव भाटिया ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. अंबेडकर साहब के मना करने के बावजूद, 2024 के लोकसभा चुनाव में 'जिन्ना कांग्रेस पार्टी' ने अपने घोषणापत्र में तुष्टिकरण करते हुए मुसलमानों को आरक्षण देने की बात कही। कर्नाटक सरकार भी पिछले दरवाने से मुसलमानों को पिछड़े वर्गों के आरक्षण का लाभ देने में लगी हुई है। 2013 में यूपीए सरकार के केंद्रीय मंत्री सलमान खुशीद ने भी मुसलमानों को आरक्षण देने की बात कही थी। राहुल गांधी की तरह संविधान न पढ़ने वाले 'मौलाना अखिलेश' यादव ने भी समाजवादी पार्टी के घोषणापत्र में धर्म के आधार पर सुविधाएं और आरक्षण देने की बात कही थी। मुजफ्फरनगर दंगों के दौरान अखिलेश यादव ने तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए 1,800 मुस्लिम परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया, जबकि पीड़ित हिंदू भी थे। बाद में सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद आदेश में बदलाव किया गया। ममता बनर्जी ने भी तुष्टिकरण की राजनीति में सबसे आगे रहते हुए पश्चिम बंगाल में पिछड़े वर्गों के आरक्षण के तहत मुसलमानों को अलग श्रेणी में रखकर आरक्षण देना शुरू किया, जिसे न्यायालय ने न्यायसंगत नहीं माना।

समग्र प्रगति कार्ड के क्रियान्वयन हेतु सिलवासा में दो दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 15 अक्टूबर। संघ प्रदेश द्वाारा नगर हवेली और दमण-दीव के शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में आधारभूत चरण (फाउंडेशनल स्टेज) में समग्र प्रगति कार्ड के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को शासकीय उच्च विद्यालय टोकरखाड़ा सिलवासा में दो दिवसीय मास्टर प्रशिक्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) दमण द्वारा परख-राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन शिक्षा निदेशक एवं समग्र शिक्षा की राज्य परियोजना निदेशक महिमा तोमर के मार्गदर्शन

में किया गया। उद्घाटन सत्र में समग्र शिक्षा के सहायक परियोजना निदेशक सतीश पटेल ने परख-एनसीईआरटी नई दिल्ली से पधारे संसाधन व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने समग्र प्रगति कार्ड के प्रभावी क्रियान्वयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आधारभूत चरण में बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा इस दिशा में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला के दौरान डायट दमण के प्राचार्य आई. वी. पटेल ने समग्र प्रगति कार्ड के क्रियान्वयन की कार्ययोजना, प्रशिक्षण प्रक्रिया तथा आगामी चरणों में मास्टर प्रशिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने परख-एनसीईआरटी की टीम तथा इसकी मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर

इंद्राणी भाडुडी के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सहायक शिक्षा निदेशक (एकेडमिक), जिला शिक्षा अधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यशाला के सफल आयोजन में उनके मार्गदर्शन, नियोजन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में डायट के व्याख्याताओं, मास्टर प्रशिक्षकों तथा ब्लॉक रिसोर्स को-ऑर्डिनेटर एवं अन्य प्रमुख संसाधन व्यक्तियों सहित कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान समग्र प्रगति कार्ड के प्रभावी उपयोग, बच्चों के शैक्षणिक, सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक एवं रचनात्मक विकास के आकलन तथा विद्यालय स्तर पर इसके

प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों की क्षमता संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संघ प्रदेश के विद्यालयों में आधारभूत चरण के बच्चों के समग्र विकास का आकलन करने के लिए समग्र प्रगति कार्ड के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी सुनिश्चित करना था। प्रशिक्षित मास्टर प्रशिक्षक एवं प्रमुख संसाधन व्यक्ति आगामी चरणों में ब्लॉक स्तर पर आधारभूत चरण के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे तथा विद्यालयों में समग्र प्रगति कार्ड के प्रभावी उपयोग एवं क्रियान्वयन में सहयोग करेंगे। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप बच्चों के सर्वांगीण विकास, सतत एवं व्यापक आकलन तथा शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दीव में बुचरवाड़ा जोन स्तरीय एसएमसी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 15 अक्टूबर। दीव जिले के बुचरवाड़ा जोन के अंतर्गत आने वाले सरकारी मिडिल, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुचरवाड़ा में किया गया। इस प्रशिक्षण में नागवा, बुचरवाड़ा और पटेलवाड़ी पंचायत क्षेत्र की

विद्यालयों की एसएमसी टीमें शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह, विभिन्न विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का शाब्दिक स्वागत सरकारी

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुचरवाड़ा के प्रभारी प्राचार्य रजनीकांत सोलंकी द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका, जिम्मेदारियों और सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने आरटीई अधिनियम के तहत एसएमसी की सक्रियता और विद्यालय

विकास योजना में अभिभावकों की भूमिका पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर बीआरसी दिव्येश जेटवा, मानसिंह बामणिग्या, सीआरसी अर्चनाबेन सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन एवं मंच संचालन वरिष्ठ शिक्षक मनीष स्मार्ट द्वारा किया गया।

संघ प्रदेश थ्रीडी की मतदाता सूची में नए और छूटे हुए मतदाताओं को शामिल करने के लिए विशेष अभियान शुरू

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 15 अक्टूबर। संघ प्रदेश द्वाारा नगर हवेली और दमण-दीव में कोई भी पात्र मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहे, इस उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संघ प्रदेश थ्रीडी के सभी विधानसभा क्षेत्रों में पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके लिए 3 जिला निर्वाचन अधिकारी, 2

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ), 7 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआईआरओ), 49 बूथ लेवल सुपरवाइजर और 489 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को भी कार्यरत किया गया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सक्रिय जनजागरूकता अभियान भी जारी रहेगा। इस मतदाता सूची में विभिन्न फॉर्म जैसे कि नए मतदाताओं तथा मतदाता सूची में

छूटे हुए पात्र नागरिकों का नाम शामिल कराने के लिए फॉर्म-6, मतदाता सूची में प्रस्तावित नाम शामिल करने पर आपत्ति दर्ज कराने अथवा मौजूदा सूची से नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 और निवास स्थान बदलने, मतदाता सूची में दर्ज विवरण में सुधार, मतदाता पहचान पत्र बदलवाने तथा दिव्यांग मतदाता के रूप में चिह्नित कराने के लिए फॉर्म-8 नाम जोड़ने और संशोधन के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही प्रेस नोट में नागरिकों से अपनी प्रविष्टि मतदाता

सूची में जांचने तथा आवश्यकतानुसार दावा या आपत्ति दर्ज कराने की अपील की गई है। इसके लिए मतदाता सूची से संबंधित शिकायत या फॉर्म-6 भरने में सहायता के लिए नागरिक हेल्पलाइन नं.1950 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा जिला स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय तथा विधानसभा क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान स्थापित हेल्पडेस्क से भी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

दीव प्रशासन द्वारा पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई लाइसेंस के मंगवाए आवेदन, दिपावली बाजार के लिए निर्धारित किए 6 स्थान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 15 अक्टूबर। दीव जिला प्रशासन ने दीपावली पर्व-2026 के महेनजर जिले में पटाखों के अस्थाई भंडारण और बिक्री के लिए लाइसेंस प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि इच्छुक व्यक्ति 29 अक्टूबर तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। यह अस्थाई लाइसेंस विस्फोटक नियम 2008 के नियम-84 के तहत जारी किए जा रहे हैं। दीव

प्रशासन ने दिपावली त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पटाखों की बिक्री के लिए छह विशिष्ट स्थान तय किए हैं। जिसमें दीव के जेटीबाई बस स्टेशन, घोघला दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का जेटी, साउदवाड़ी का क्रिकेट ग्राउंड, बुचरवाड़ा का बस स्टैंड, फाटक और झोलावाड़ी का पोठियादादा पाकिंग स्थल शामिल है। लाइसेंस के लिए

आवेदकों को निर्धारित प्रपत्र फॉर्म ईई-5 भरकर जमा करना होगा। इसके साथ पासपोर्ट साइज फोटो, परिसर के मालिकाना हक या कब्जे का प्रमाण और 600 रुपये का लाइसेंस शुल्क सलंगन करना अनिवार्य है। इच्छुक आवेदक दीव प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट diu.gov.in से या जारी किए गए आधिकारिक क्यूआर कोड को स्कैन करके आवेदन पत्र डाउनलोड कर

सकते हैं। प्रशासन ने सभी व्यापारियों से तय समय में आवेदन करने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है।



जब प्यासे हों खेत और खाली हों थालियां तो कैसे संवरेगा भविष्य?



योगेश कुमार गोयल

वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूद जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढने के गंभीर प्रयास करें।

आज का नवाचार, कल की हर थाली में पोषण... दुनिया की आबादी तीव्र गति से बढ़ने के साथ-साथ विश्व में भूख की समस्या भी बढ़ती जा रही है। कई ऐसे राष्ट्र हैं, जो इस समस्या से बुरी तरह जूझ रहे हैं। विश्वभर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें पेट भरने को दो समय का भोजन तक नसीब नहीं होता। बहुत सारे लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्हें जिंदा रहने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। पोषित और पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाने के कारण दुनिया की बड़ी आबादी कुपोषण की शिकार हो रही है। भोजन को एक बुनियादी और मौलिक मानवाधिकार माना गया है लेकिन पूरी दुनिया के लिए एक बड़ी विड़म्बना है कि खाने की कमी और कुपोषण के ही कारण प्रतिवर्ष लाखों लोग जान गंवा देते हैं। भोजन, हवा और पानी के बाद तीसरी सबसे बुनियादी मानवीय जरूरत हर किसी को पर्याप्त भोजन का अधिकार ही है। चिंताजनक स्थिति है कि दुनियाभर के किसान वैश्विक आबादी से ज्यादा लोगों को खिलाने के लिए पर्याप्त भोजन पैदा करते हैं किन्तु फिर भी भूख बनी रहती है।

वैश्विक भुखमरी को खत्म करने और सभी लोगों को पोषणयुक्त आहार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 16 अक्तूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाया जाता है। दुनिया के करीब 150 सदस्य देश मिलकर यह दिवस मनाते हैं और संयुक्त राष्ट्र के कैलेंडर में सबसे ज्यादा मनाया जाने वाला दिवस भी यही है। यह दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य वैश्विक भुखमरी से निपटना और पूरी दुनिया से उसे जड़ से खत्म करना है ताकि दुनिया का कोई भी इंसान भूखा और कुपोषित न रहे। कृषि खाद्य प्रणाली परिवर्तन के लिए वैश्विक कार्रवाई को संगठित करते ह्राविश्व खाद्य दिवसह्क के लिए हर साल एक खास विषय निर्धारित किया जाता है। विश्व खाद्य दिवस 2026 का विषय है 'आज नवाचार करें। कल का पोषण करें'।

एफएओ के अनुसार तीव्र जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, आर्थिक विकास और जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा पिछले दशकों में मोटे पानी के संसाधनों में भी प्रति व्यक्ति 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और दशकों के खराब उपयोग व प्रबंधन, भूजल के अत्यधिक दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की उपलब्धता तथा गुणवत्ता तेजी से बिगड़ रही है। एफएओ का कहना है कि मौजूदा समय में करीब 2.4 अरब लोग जल संकट वाले देशों में रहते हैं और इस अमूल्य संसाधन के लिए प्रतिस्पर्धा



बढ़ती जा रही है क्योंकि पानी की कमी संघर्ष का निरंतर बढ़ता कारण बनती जा रही है। पृथ्वी पर जल एक सीमित और असीम मूल्यवान ऐसा प्राकृतिक संसाधन है, जिसके बिना धरती पर भोजन और जीवन असंभव है। यही नहीं, विश्वभर में 60 करोड़ से भी ज्यादा लोग अपनी आजीविका के लिए जलीय खाद्य प्रणालियों पर ही निर्भर हैं, जिनमें छोटे पैमाने के मछुआरे, मछली किसान, मछली प्रोसेसर और उनके आश्रित शामिल हैं, जो तटीय और अंतर्देशीय समुदायों की रीढ़ माने जाते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करते हैं और विश्वभर में संस्कृतियों को प्रभावित करते हैं।

दुनिया से भुखमरी को मिटाने के प्रयासों में जलवायु परिवर्तन, अंतर्राष्ट्रीय नवाव, आर्थिक समस्याएं इत्यादि सबसे बड़ी बाधा बन रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बार-बार होने वाले मौसम के झटकों, संघर्षों, आर्थिक मंदी, असमानता और महामारी के कारण विश्व में करीब 733 मिलियन लोग भूख का सामना कर रहे हैं, जिसका सर्वाधिक असर गरीब और कमजोर तबके पर पड़ता है, जिनमें से कई कृषि परिवार हैं। कोरोना महामारी के दौर के बाद लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन और इजरायल-फिलिस्तीन के भीषण युद्ध जैसी विकट परिस्थितियां भी भूख की समस्या को कम करने के बजाय और विकराल बनने में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसीलिए इस समस्या को कम

करने के लिए दुनियाभर में तेज गति से गंभीर प्रयास किए जाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भूख और कुपोषण लंबे समय तक चलने वाले संकटों से और बढ़ जाते हैं, जो संघर्ष, चरम मौसम की घटनाओं और आर्थिक झटकों के संयोजन से प्रेरित होते हैं। आज दुनिया में करोड़ों लोग भूख से पीड़ित हैं और स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। एफएओ के मुताबिक विश्व में 2.8 बिलियन से भी ज्यादा लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में असमर्थ हैं और अस्वास्थ्यकर आहार ही सभी प्रकार के कुपोषण का प्रमुख कारण है। कमजोर लोगों को प्रायः मुख्य खाद्य पदार्थों या कम महंगे खाद्य पदार्थों पर निर्भर रहने के लिए विवश होना पड़ता है, जो अस्वास्थ्यकर हो सकते हैं जबकि अन्य लोग ताजे या विविध खाद्य पदार्थों की अनुपलब्धता से पीड़ित हैं, उन्हें स्वस्थ आहार चुनने के लिए जरूरी जानकारी की कमी है या फिर वे केवल सुविधा के लिए विकल्प चुनते हैं। दुनियाभर में प्रतिवर्ष हर 10 में से एक व्यक्ति दूषित भोजन के कारण बीमार हो जाता है और हर साल 4.2 लाख लोगों की मौत का कारण दूषित भोजन ही है, जिनमें करीब सवा लाख बच्चे भी होते हैं। संयुक्त राष्ट्र के 'खाद्य एवं कृषि संगठन' के अनुसार 2021 में दुनियाभर में 5 लाख लोगों की मौत भूख से ही हुई थी। हालांकि ऐसा नहीं है कि पृथ्वी पर इतना अनाज पैदा नहीं हो रहा, जिससे दुनिया के हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल

सके बल्कि सबसे बड़ी समस्या पोषणयुक्त आहार तक सभी की पहुंच और उपलब्धता है। एफएओ का कहना है कि वर्तमान में मत्स्य पालन में हम करीब तीन हजार प्रजातियों का दोहन करते हैं जबकि इनमें से केवल 650 से कुछ अधिक प्रजातियों की ही खेती करते हैं। एफएओ के मुताबिक इन जलीय पारिस्थितिक तंत्रों और उनके द्वारा समर्थित प्रजातियों का संरक्षण और सुरक्षा करना केवल एक जिम्मेदारी ही नहीं है बल्कि पृथ्वी और इसके निवासियों की भलाई के लिए एक बड़ी आवश्यकता भी है। जलीय खाद्य पदार्थ भी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और अपनी विविधता से जलीय खाद्य प्रणाली मानव के लिए पोषण और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक अद्वितीय और महत्वपूर्ण खाद्य स्रोत बनती है। चिंता का विषय है कि जीवनयापन के लिए आंशिक रूप से ही सही, जलीय खाद्य प्रणालियों पर निर्भर 60 करोड़ लोग प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र के क्षरण, अस्थिर प्रथाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से पीड़ित हैं। ऐसे में न केवल जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करने की सख्त आवश्यकता है बल्कि लोगों को अधिक भोजन तथा अन्य बुनियादी कृषि उत्पाद पैदा करने के लिए कम पानी का उपयोग करने की आवश्यकता है। बहरहाल, वैश्विक जल एवं जलीय खाद्य प्रणालियों की रक्षा करते हुए पूरी दुनिया में मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए अब लोगों द्वारा कृषि-खाद्य प्रणालियों में जल के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने की बड़ी जरूरत महसूस की जाने लगी है। सुरक्षित जल और खाद्य सुरक्षा प्राप्त करना सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी है कि दुनियाभर के देश पारंपरिक ज्ञान की शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए विज्ञान और नवाचार के माध्यम से जल संसाधनों की कमी और जल सुरक्षा मुद्दों के नए समाधान ढूंढने के गंभीर प्रयास करें। मौजूदा जल चुनौतियों से निपटने के लिए हमें कृषि खाद्य प्रणालियों में प्रभावी जल उपयोग सुनिश्चित करने और अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग के सुरक्षित तरीके खोजने के साथ-साथ जल और जलीय खाद्य प्रणालियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी तथा जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मांग के मद्देनजर सभी के लिए क्फियायती पीठिक भोजन प्रदान करने के लिए दुनिया के समक्ष मौजूद खाद्य चुनौतियों का मिलकर समाधान करना होगा। (लेखक विशेष पत्रकार, पर्यावरण विषयों के जानकार और चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त संसार' के लेखक हैं)

संपादकीय

भरोसे की परीक्षा

निस्संदेह, कैरियर से जुड़ी परीक्षाएं लाखों युवाओं के भविष्य का निर्धारण करती हैं। ऐसे में परीक्षाओं की पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी पर परीक्षार्थियों का भरपूर ध्यान होना बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में देशभर में जो युवा असंतोष के स्वर मुखर हो रहे हैं, उसकी शुरुआत नोट परीक्षा प्रणाली की विफलता से हुई थी। देश की राजधानी दिल्ली के अलावा झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र आदि राज्यों में परीक्षा की विसंगतियों के चलते परीक्षार्थी आंदोलन करते नजर आए हैं। जब युवाओं में अपने भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हुईं तो उनके सड़क पर उतरने का सिलसिला तेज हुआ। प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रति उपज अविश्वास को दूर करने के लिये केंद्र सरकार ने इम्फोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणि को परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिये बनायी गई एक उच्च स्तरीय कमेटी का प्रमुख बनाया था। हाल ही में नीलेकणि ने परीक्षा सुधार के लिये तकनीक पर आधारित एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जिसको लेकर कहा जा रहा है कि ये पहल उपयोगी साबित हो सकती है। निस्संदेह, आज देश को एक ऐसी परीक्षा प्रणाली की जरूरत है, जिसमें हर छात्र निष्पक्ष प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल हो सके। साथ ही परीक्षा के परिणामों पर भरोसा कर सके। दरअसल, नीलेकणि ने पेपर लीक रोकने के लिये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित नया तरीका सुझाया है। उनका एआई का प्रयोग करके अंतिम दौर में प्रश्नपत्र तैयार करने का सुझाव, ऐसे सिस्टम में सुधार का अवसर देता है, जिसे परीक्षार्थियों के भरोसे की सख्त जरूरत है। उनका तर्क है कि आखिरी समय में एक बड़े प्रश्न बैंक से पेपर तैयार करने पर लीक के पीछे का अनैतिक मुनाफे का कारोबार खत्म हो सकता है। निस्संदेह, उनके इस सुझाव और देशभर में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली को अपनाए जाने की बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत महसूस की जा रही है। निर्विवाद रूप से तकनीकी इन्वेस्टेशन के जरिये प्रतियोगी परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन इसके साथ ही संस्थागत जवाबदेही भी जरूरी है। वहाँ दूसरी ओर ग्रामीण व विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले इलाकों में सभी प्रतियोगी छात्रों की पहुंच होनी भी जरूरी है। निस्संदेह, एआई की मदद से पेपर तैयार करने का सुझाव तार्किक है। यदि परीक्षा से ठीक पहले सुरक्षित तरीके से सवाल चुने जाएंगे तो परीक्षा से पूर्व पेपर आउट होने की आशंका कम हो जाएगी। लेकिन इसके बावजूद ऐसा ऑफलाइन सिस्टम बनाना भी जरूरी है, जो परीक्षा की जांच से जुड़ी गलतियों, पक्षपात और हेराफेरी रोकने के लिये स्वतंत्र मूल्यांकन कर सके।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे झुझर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढाँचे में भारी और आश्चर्यजनक परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भव्यकर डाकू क्षत्र भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आपसाली जैसी वीरगंगाओं को सती-साध्वी का प्रातःस्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भृगुरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन मिल ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढाँचा जो फिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनने, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनने, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुर्गमणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुर्गुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया।

संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है। धनी-निधन, रोग-निरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, शुणित-प्रतिष्ठित और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंतःप्रेरणओं की प्रतीक हैं।

भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरंघि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंतःगतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।



मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में जान की बाजी लगाना आजकल एक बेहद गंभीर और खतरनाक ट्रेंड बन चुका है। लोग इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर चंद लाइक्स, व्यूज और वायरल होने की चाह में अपनी जिंदगी को दांव पर लगा रहे हैं। आज सोशल मीडिया का जमाना है और बड़ी संख्या में युवाओं पर चर्च में आने के लिए रील बना कर सोशल मीडिया पर डालने का जुनून सवार है। सोशल मीडिया पर रातों-रात प्रसिद्ध होने और लाइक्स कटने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली।

वीडियो बनाने के लिए चलती हुई ट्रेन के गेट पर खतरनाक डांस करना, डिब्बे के बाहर लटकना या रेलवे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन के सामने पोज देना सबसे आम



सौरभ वार्णय

बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाना लोकतंत्र, राजनीतिक विमर्श और सार्वजनिक विषयवसनीयता के लिए किन्तना उचित? यह सवाल अपने आप में ही प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। दुनिया के अनेक देशों में राजनीतिक गतिविधियों, चुनावी प्रक्रियाओं और जन आंदोलनों पर बाहरी प्रभाव को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन किसी आशंका को प्रमाणित तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना और किसी राजनीतिक दल पर विदेशी धन लेकर देश में अशांति फैलाने का आरोप लगाना दो अलग-अलग बातें हैं। यही अंतर जिम्मेदार पत्रकारिता, निष्पक्ष राजनीतिक विमर्श और लोकतांत्रिक मूल्यों की बुनियाद है।

हाल ही में अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन के नाम से सोशल मीडिया के जरिये सामने आए एक बयान में भारत में सक्रिय एक राजनीतिक दल को अमेरिका से भारी वित्तीय सहायता मिलने का आरोप लगाया गया है। इस दावे में यह भी कहा गया है कि विदेशी धन का इस्तेमाल भारत की आंतरिक शांति को प्रभावित करने, सामाजिक विद्वेष बढ़ाने और केंद्र सरकार के कामकाज में बाधाएं उत्पन्न करने के लिए किया जा रहा है। आरोपों के समर्थन में कुछ व्यक्तियों और कथित वित्तीय समूहों का भी उल्लेख किया गया है।

ऐसे गंभीर आरोप सामने आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत क्या हैं? क्या किसी बैंक खाते का विवरण सामने आया

सोशल मीडिया पर रील के चक्कर में जान की बाजी

और घातक हादसों की वजह बन रहा है। चलती हुई गाड़ियों या बाइकों पर स्टंट करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के रील बनाना। हाल ही में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में एक युवती को सड़क पर खतरनाक स्टंट करने के लिए ₹16,000 का भारी चालाना भी भुगतना पड़ा। ऊंचे पुलों और झरनों के पास पोज खतरनाक पहाड़ों, नदियों के ऊपर बने पुलों या बाढ़ के पानी के बीच रील बनाने के चक्कर में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनी इस बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस और भारतीय रेलवे लगातार लोगों को आगाह कर रहे हैं। ऐसे जानलेवा स्टंट करने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है और जेल की सजा का भी प्रावधान है।

आपको बता दें कि हाल ही में ऐसे कई मामलों की झड़ी लगी है जिनमें रील बनाने के चक्कर में अनेक युवा जान गंवा बैठे। 16 सितम्बर को पालघर (महाराष्ट्र) में वैतरणा नदी के किनारे मोबाइल से रील शूट करने के दौरान गीतेश पाटिल और मानव राठौड़ नामक 2 दोस्तों के लिए रील बना में दुबने से मौत हो गई। 4 अक्टूबर को फरीदाबाद (हरियाणा) में सिरोंही झील के निकट रील बनाने के दौरान मोबाइल फोन के डैमज होने को लेकर 2 दोस्तों में विवाद इस हद तक बढ़ गया कि आपसी हाथापई में उनमें से एक युवक की जान चली गई, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी मुफ्ती उर्फ मन्नू को गिरफ्तार कर लिया।

विदेशी फंडिंग का आरोप : सनसनी से नहीं, सबूतों से तय होनी चाहिए सच्चाई

है? क्या किसी वित्तीय लेन-देन का दस्तावेज उपलब्ध है? क्या संबंधित एजेंसी ने कोई जांच की है? क्या किसी विश्वसनीय जांच रिपोर्ट या आधिकारिक दस्तावेज में इन आरोपों की पुष्टि हुई है? यदि इन सवालों के जवाब उपलब्ध नहीं हैं, तो ऐसे बयानों को प्रमाणित समाचार की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। किसी राजनीतिक दल को विदेशी धन मिलने का आरोप सामान्य राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। यह एक गंभीर आरोप है, जिसका संबंध देश की संप्रभुता, राजनीतिक पारदर्शिता और कानून के पालन से जुड़ा है। यदि किसी दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तपोषण प्राप्त हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच से पहले ही किसी संगठन को देशविरोधी गतिविधियों में शामिल घोषित कर देना न्याय के सिद्धांतों के अन्तर्गुह नहीं है। राजनीति में आरोप लगाना आसान है, लेकिन उन्हें प्रमाणित करना कठिन। इसलिए यह आवश्यक है कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति अपने दावों के समर्थन में विश्वसनीय दस्तावेज, वित्तीय रिकॉर्ड या अन्य सत्यापन योग्य साक्ष्य प्रस्तुत करे। केवल सोशल मीडिया पोस्ट, राजनीतिक बयान अथवा किसी विदेशी नागरिक की टिप्पणी अपने आप में किसी गंभीर आरोप का प्रमाण नहीं बन जाती। यहां यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि उपलब्ध विवरण के आधार पर मैरी मिलबेन के नाम से प्रसारित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं मानी जा सकती। जब तक विश्वसनीय साक्ष्य सामने नहीं आते, तब तक इन्हें आरोप या दावा ही कहा जाना चाहिए, स्थापित तथ्य नहीं।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों को अपनी विचारधारा रखने, सरकार की नीतियों की आलोचना करने और जनता के सामने अपना पक्ष रखने का अधिकार है। यही लोकतंत्र की शक्ति है। लेकिन जब राजनीतिक विरोध को विदेशी साजिश, देशविरोधी गतिविधि या राष्ट्रीय सुरक्षा के संकट से जोड़ दिया जाता है, तब यह देखना जरूरी हो जाता है कि ऐसा निष्कर्ष किन तथ्यों के आधार पर निकाला गया है। यदि किसी राजनीतिक दल को बदनाम करने के उद्देश्य से अशुद्ध आरोपों का बार-बार प्रसारित किया जाता है, तो इसे जनता के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। दूसरी ओर, यदि वास्तव में

विदेशी वित्तपोषण के जरिए गैरकानूनी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, तो उनकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती। इसलिए न तो हर आरोप को राजनीतिक षड्यंत्र कहकर खारिज करना उचित है और न ही हर आरोप को सच मान लेना।

भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक देश है। यहां राजनीतिक गतिविधियों, संगठनों और विदेशी अंशदान से संबंधित मामलों में कानून लागू होते हैं। विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम सहित संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत पात्र संस्थाओं के विदेशी अंशदान पर नियमन और निगरानी की व्यवस्था है। किसी विशिष्ट मामले में कौन-सा कानून लागू होगा, यह संबंधित संस्था, धन के स्रोत, प्राप्तिकर्ता और लेन-देन की प्रकृति पर निर्भर करता है। यदि किसी विदेशी संस्था या व्यक्ति द्वारा भारतीय कानूनों का उल्लंघन करके धन उपलब्ध करने के प्रमाण मिलते हैं, तो सक्षम एजेंसियों को जांच करनी चाहिए। लेकिन विदेशी नागरिकों की राजनीतिक टिप्पणियों को अपने आप विदेशी फंडिंग का सबूत नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार, किसी राजनीतिक दल की सरकार विरोधी गतिविधि मात्र से यह निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता कि उसके पीछे विदेशी धन है। भारत की संप्रभुता की रक्षा करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि इस विषय का इस्तेमाल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के विरुद्ध बिना प्रमाण आरोप समर्थन के लिए न किया जाए। मैरी मिलबेन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की कुछ नीतियों के समर्थन में अपनी राय व्यक्त कर चुकी हैं। किसान आंदोलन के दौरान कृषि सुधारों पर उनका रुख और बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडिया द मोदी क्वेश्चनड' को लेकर उनकी टिप्पणियां सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहीं हैं। लेकिन किसी व्यक्ति का पहले किसी सरकार का समर्थन करना या किसी नीति के पक्ष में बोलना, उसके नए आरोपों की सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। राजनीतिक समर्थन और तथ्यात्मक प्रमाण दो अलग-अलग विषय हैं। किसी व्यक्ति की प्रमाणित प्रवृत्ति पर उसकी सत्यता का प्रमाण नहीं बन जाता। उसी तरह, किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचारों से असहमति होने के कारण उसके प्रत्येक कथन को गलत भी नहीं ठहराया जा सकता। हर दावे की जांच उसके

प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए। आज सोशल मीडिया के दौर में सनसनीखेज दावे तेजी से फैलते हैं। कई बार किसी बयान को आकर्षक शीर्षक देकर इस तरह प्रसारित किया जाता है कि पाठक आरोप और सच्चाई के बीच का अंतर भूल जाते हैं। इससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित होता है और समाज में अनावश्यक अविश्वास पैदा हो सकता है।

समाचार माध्यमों की जिम्मेदारी है कि वे किसी भी गंभीर आरोप को प्रकाशित करने से पहले उसके स्रोत, संदर्भ और प्रमाणों की पड़ताल करें। संबंधित राजनीतिक दल या व्यक्ति का पक्ष लें, आधिकारिक रिकॉर्ड की जांच करें और जहां पुष्टि उपलब्ध न हो, वहां स्पष्ट रूप से लिखें कि दावा स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं हुआ है। पाठकों को भी चाहिए कि वे किसी सनसनीखेज पोस्ट को तुरंत सच मानने या आगे प्रसारित करने से पहले उसकी विश्वसनीयता जांचें। राष्ट्रहित का अर्थ केवल किसी सरकार या राजनीतिक दल का समर्थन करना नहीं है इसका अर्थ सत्य, कानून, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति प्रतिबद्धता भी है।

यदि भारत में किसी राजनीतिक दल या संगठन को अवैध विदेशी वित्तीय सहायता मिलने का ठोस प्रमाण है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए और कानून के अनुसार जांच होनी चाहिए। लेकिन यदि आरोप केवल बयानबाजी और अप्रुष्ट दावों पर आधारित हैं, तो उन्हें तथ्य के रूप में प्रचारित करना जनता को भ्रमित करने जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थकों को अपने नेता के पक्ष में विचार रखने का पूरा अधिकार है। विपक्षी दलों को सच मानने की आलोचना करने का भी समान लोकतांत्रिक अधिकार है। दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए तथ्य और प्रमाण।

भारत की प्रतिष्ठा किसी राजनीतिक दल से न तो बनती है और न ही बिगड़ी चाहिए। देश की प्रतिष्ठा मजबूत होती है निष्पक्ष जांच, पारदर्शी व्यवस्था, स्वतंत्र पत्रकारिता और न्यायपूर्ण कार्रवाई से। इसलिए विदेशी फंडिंग के इस कथित मामले में भी भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय प्रमाण सामने लाने की मांग की जानी चाहिए। लोकतंत्र में आरोप लगाना अधिकार हो सकता है, लेकिन आरोप को सच मानने से पहले प्रमाण मांगना जनता का अधिकार और पत्रकारिता का दायित्व है।

होर्मुज़ स्ट्रेट को लेकर अमेरिका और ईरान में तनातनी



दुबई / वाशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग 'होर्मुज़ स्ट्रेट' को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच जुबानी जंग और सैन्य टकराव चरम पर पहुंच गया है। ईरान की इस्लामिक रिवालयनरी गार्ड कॉर्पस की नौसेना ने अमेरिकी नौसैनिक बेड़े पर सीधे हमले की चेतावनी दी है, जिसके जवाब में अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कड़ा पलटवार करते हुए ईरान के दावों को खारिज कर दिया है। 'अमेरिकी बेड़े के आने का इंतजार कर रहे हैं'। आईआईसीसी नौसेना के कमांडर ने कड़ा रुख अपनाते हुए बयान जारी किया कि वे होर्मुज़ स्ट्रेट में अमेरिकी नौसैनिक बेड़े की मौजूदगी का इंतजार कर रहे हैं ताकि उस पर हमला कर उस समुद्र में डुबोया जा सके। इसके साथ ही रिवालयनरी रूप से संवेदनशील इस समुद्री मार्ग पर पूरी तरह से ईरान का नियंत्रण स्थापित है। ईरान की इस सीधी चेतावनी के फौरन बाद अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट साझा कर तीखा जवाब दिया।

मेक्सिको में तूफान साइमन और रेचेल से आई बाढ़ में छह लोगों की मौत

मेक्सिको , एजेंसी। मेक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। तूफान साइमन और रेचेल के कारण ये हालात बने हैं। तूफान साइमन मेक्सिको के प्रशांत तट की तरफ श्रेणी-1 के तूफान के रूप में धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। इसके कारण नायरित और सिनालोआ राज्यों में भारी बारिश हो रही है। नदियों का जलस्तर बढ़ने और बाढ़ को देखते हुए अधिकारी सतर्क हैं। सप्ताहांत में इस तूफान के कारण दक्षिणी राज्य गुएरेरो में भी भारी बारिश हुई थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। हालांकि, सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर में बाजा कैलिफोर्निया राज्य के टैटेंथ शहर एनसेनाडा में हुआ, जहां रेचेल तूफान के कारण आई बाढ़ में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। राज्य के अभियोजन कार्यालय ने बताया कि मृतकों में 13 वर्षीय एक लड़की शामिल है, जिसका शव रविवार को मिला था। इसके अलावा, 30 और 35 वर्ष की दो महिलाओं तथा चार साल के एक लड़के के शव सोमवार को बरामद किए गए। मंगलवार को एक जलधारा के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। बाजा कैलिफोर्निया में पांच अन्य लोग अब भी लापता हैं। इनमें से तीन एनसेनाडा के हैं। इसके अलावा, एक पिता और पुत्र भी लापता हैं, जो शनिवार को कैलिफोर्निया की खाड़ी के तट पर स्थित सैन फेलिप में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। राज्य के नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, मंगलवार को करीब 300 सैन्यकर्मियों, पुलिसकर्मियों और बचावकर्मियों ने एनसेनाडा की एल पिपिता जलधारा के आलपास तलाशी अभियान चलाया। इस बीच, मेक्सिकन नौसेना लापता मछुआरों की तलाश में जुटी रही। बाढ़ के पानी में वाहन बह गए, मकानों को नुकसान पहुंचा और कुछ समुदायों का संपर्क कट गया।

ग्रीस में अमेरिकी राजदूत लेती थीं रिश्वत, हटाया

एथेंस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विवादों में घिरी ग्रीस में अमेरिकी राजदूत किम्बली गिलफोयल से इस्तीफा मांग लिया है। उन पर पैसे, उपहार और अन्य फायदों के बदले ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों तक पहुंच उपलब्ध कराने और ग्रीस सरकार को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। क्लाइड हाउस की प्रेस सचिव कैटी जकारिया ने मंगलवार को उनके इस्तीफा मांगे जाने की पुष्टि की। पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह अख्त्य काम कर रही थीं, लेकिन जो कुछ मीडिया में सामने आ रहा था, वह हमें पसंद नहीं आया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कारोबारी एरिक डिटर्स ने दावा किया कि राजदूत ने ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों से मिलाने के बदले उनका एक लाख डॉलर का क्रेडिट कार्ड बिल भरने की मांग की थी।

ट्रंप की हूती लड़ाकों को चेतावनी: कहा- याद रखें चुनाव के बाद भी मैं ही सता में रहूंगा; ईरान पर साधा निशाना

वाॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हूती विद्रोहियों पर सऊदी अरब को निशाना बनाने और तेल की कीमतें बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने कहा कि हूती विद्रोही एक साल पहले अमेरिकी बमबारी के बाद शांत हो गए थे, लेकिन अब फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने इसके पीछे ईरान का हाथ होने की आशंका भी जताई। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रथ सोशल पर लिखा कि हूती विद्रोही बहुत खराब व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों के बाद हूती विद्रोहियों ने खुद रुकने का अनुरोध किया था और लंबे समय तक शांत रहे थे। अब

अरामको पर हूतियों का हमला : सना पर सऊदी की एयरस्ट्राइक, रियाद तक मिसाइलों की धमक

काहिरा, एजेंसी। सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनियों में शामिल अरामको के परिसर को निशाना बनाया गया। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के मुताबिक, परिसर की एक प्रशासनिक इमारत में सीमित आग लग गई। राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच तनाव बढ़ रहा है।

यमन की राजधानी सना में सऊदी गठबंधन ने हमला क्यों किया : सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मंगलवार को यमन की राजधानी सना में हवाई हमले किए। सना पर हूती विद्रोहियों का नियंत्रण है। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले प्रसारक अल मसिरा और स्थानीय लोगों ने हमलों की जानकारी दी। हमले से पहले गठबंधन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक, शहर में कई घंटे बाद भी तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं। इससे पहले गठबंधन ने सना के पश्चिम में स्थित सुबाहा ईंधन केंद्र को निशाना बनाया था।

सऊदी गठबंधन ने तेल भंडारण केंद्र पर क्या आरोप लगाए : सऊदी गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मलिकी ने आरोप लगाया कि हूती विद्रोही मिसाइलों और ड्रोन के अपने हथियारों के भंडार के लिए यमन ऑयल कंपनी की सुविधा और उसके भूमिगत



ईंधन डिपो का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह केंद्र राजधानी सना के ऊपर एक पहाड़ी पर स्थित है। गठबंधन ने नागरिकों से यमन ऑयल कंपनी के परिसर और आसपास के भंडारण क्षेत्रों को खाली करने को कहा था।

क्या पश्चिम एशिया में बिगड़ेंगे हालात : फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यमन में मंगलवार को किया गया हमला सैन्य कार्रवाई बढ़ाने का संकेत था या रियाद के हवाई अड्डे पर हल में हुए जानलेवा हमलों के जवाब में सीमित कार्रवाई। हालांकि, अरामको परिसर पर हमले, सना में हवाई हमलों और रियाद की ओर मिसाइलों के खतरे ने क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। आने वाले समय में हालात किस दिशा में जाएंगे, यह अभी साफ नहीं है।

हूती मिसाइलों का मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा : सऊदी अरब के सिविल डिफेंस ने कहा कि नष्ट किए गए दो हूती मिसाइलों का

मलबा रियाद के रिहायशी इलाकों में गिरा, जिससे चार लोग घायल हो गए और 15 घरों को नुकसान पहुंचा. हूती द्वारा चलाए जा रहे ब्रॉडकास्टर अल मसीरा और निवासियों ने बताया कि सऊदी अरब के नेतृत्व में यमन में सेनाओं के गठबंधन ने मंगलवार को हूती विद्रोहियों के कब्जे वाली यमन की राजधानी पर नए हवाई हमले किए. ये हमले तब हुए जब गठबंधन के प्रवक्ता ने लोगों से अपनी सुरक्षा के लिए इलाका खाली करने की अपील की. ?लोगों ने बताया कि शहर के पश्चिम में सुबाहा फ्यूल फैसिलिटी पर गठबंधन के हमले के कुछ घंटों बाद सना में जोरदार धमाके सुने गए. इससे पहले एक खास बयान में गठबंधन ने हूती-नियंत्रित राजधानी में आम लोगों से कहा था कि वे यमनी ऑयल कंपनी को साइट और पास के स्टोरेज एरिया को खाली कर दें. गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने हूती पर आरोप लगाया

सीजेपी को अमेरिका से मिल रही फंडिंग : मैरी मिलबेन का आरोप, कहा- भारत में अशांति फैलाने की रची जा रही साजिश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन ने बुधवार को सीजेपी को बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'अमेरिका में कॉन्ग्रेस जनता पार्टी को डोनर्स से फंडिंग मिल रही है। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है।भारत के सभी युवा देशभक्तों से अपील की कि वे आगे आएँ और इस संगठन की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। मिलबेन ने ये बातें तब कहीं जब विपक्षी पार्टियों और कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थक नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। वे वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेसिव रिविजन' (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 41 साल के गायिका ने कहा कि सीजेपी नेता अभिजीत दिवके और उनकी पार्टी को अमेरिका में मौजूद ऐसे डोनर्स से फंडिंग मिल रही है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके नेतृत्व में आपके भविष्य के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि यह चुप रहने का समय नहीं है और भारत के सभी बेहतरीन युवा देशभक्तों से अपील की कि

वे आगे आएँ और विनाशकारी ताकतों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। पोस्ट में लिखा था, मेरे युवा देशभक्तों, डरो मत। आपके प्रधानमंत्री, जिन्होंने 25 साल तक भारत की सेवा की है। 12 साल प्रधानमंत्री के तौर पर और लगातार तीन बार चुने गए। वे मेरे देश की विनाशकारी ताकतों के सामने झुकने वाले नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'इन चुनिंदा दानदाताओं का दुनिया भर में एक ही तरीका है। रूढ़िवादी वैश्विक नेताओं को निशाना बनाना, उस देश से अमेरिका में पढ़े-लिखे व्यक्ति को ढूँढना। उन्हें कट्टरपंथी बनाना, उन्हें वापस देश भेजना और उन्हें अराजकता और तबाही फैलाने के लिए फंड देना। इनमें से कोई भी सफल नहीं हुआ है, लेकिन देश के विकास और शासन पर असर जरूर डाला है। अमेरिकी गायिका ने कहा कि लोकतंत्र और आजादी को बनाए रखने के लिए हमेशा एक जवाबी आंदोलन होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'भारत में एक नई आवाज के लिए यह समय है। वह आगे आए, संगठित हो और 'कॉन्ग्रेस पार्टी' की विनाशकारी सोच के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करें। उठो, युवा देशभक्तों उठो।

पोप लियो को लंग कैन्सर की पुष्टि: रोम के अस्पताल में सफल रही फेफड़े की सर्जरी

वेटिकन सिटी / रोम, एजेंसी। ईसाई धर्म के सर्वोच्च धर्मगुरु 71 वर्षीय पोप लियो को फेफड़ों का कैन्सर (लंग एडेनोकार्सिनोमा) होने का पता चला है। वेटिकन द्वारा जारी आधिकारिक मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, मंगलवार को रोम के जेमेली अस्पताल में उनकी सफल सर्जरी की गई, जिसके तहत उनके दाहिने फेफड़े के निचले हिस्से को सुरक्षित निकाल दिया गया है।

90 मिनट चली सर्जरी, हालत स्थिर : वेटिकन ने स्पष्ट किया कि करीब 90 मिनट तक चले इस ऑपरेशन में किसी भी प्रकार की जटिलता सामने नहीं आई। प्रक्रिया पूरी तरह सफल रही और ऑपरेशन के बाद पोप सामान्य रूप से होश में आ गए। कुछ समय गहन निगरानी में रखने के बाद उन्हें अस्पताल के निजी कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है।



उनके लगभग एक सप्ताह तक अस्पताल में ही स्वास्थ्य लाभ लेने की संभावना है।

नियमित जांच में सामने आई थी गांधी : वेटिकन के अनुसार, इस गांध का पहली बार पता नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान चला था। एहतियात के तौर पर और यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई अवरोध न बचे, डॉक्टरों ने उनके

दाहिने फेफड़े के पूरे निचले हिस्से को निकालने का निर्णय लिया। समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, वेटिकन सूत्रों ने पुष्टि की है कि कैन्सर के शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने की आशंका की जांच के लिए आगे के चिकित्सकीय परीक्षण का जा रहे हैं। अस्पताल के बाहर उपड़ी भीड़, पोप ने हाथ हिलाकर स्वीकारा अभिवादन : अस्पताल पहुंचने से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु घंटों बाहर खड़े रहे और उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए नारे लगाए। पोप ने अपनी कार की पिछली खिड़की से मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। अस्पताल पहुंचने पर जब स्वास्थ्यकर्मियों ने उनके प्रति सहानुभूति जताई, तो पोप ने मुस्कुराते हुए सहज भाव से उनका हाँसला बढ़ाया। अमेरिका में जन्मे पहले पोप

लियो ने रविवार को बताया था कि नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान उनके फेफड़े में एक गांठ का पता चला है। चिकित्सकों ने इसे हटाने की सलाह दी थी। पोप के अनुसार, गांध का पता शुरुआती चरण में ही चल गया था और वह एक सीमित हिस्से में थी। हालांकि, वेटिकन ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि गांठ कैन्सरयुक्त थी या नहीं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, फेफड़े में गांध को हटाने की ऐसी सर्जरी आमतौर पर कम चौर-फाड़ वाली प्रक्रिया की से जाती है और इनमें जटिलताओं का जोखिम कम रहता है। फेफड़े के रोगों के विशेषज्ञ डॉ. मैथ्यू ट्रिप्लेट ने बताया कि ऐसे ऑपरेशन के बाद मरीजों को सामान्यतः कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ता है। इसके बाद वे घर पर स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं।

पाकिस्तान में रेल हादसा, पटरी से उतरी पूरी ट्रेन, छह यात्रियों की मौत



लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार को एक यात्री ट्रेन के पटरी से उतर गई. इस रेल हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह ट्रेन हादसा सुबह 5.15 बजे के आसपास हुआ और ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी.अधिकारियों ने बताया कि 'रहमान बाबा एक्सप्रेस' के सभी 14 डिब्बे मुल्तान में शेरशाह पुल के पास पटरी से उतर गए. पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता बाबर अली ने बताया कि ट्रेन में लगभग 500 यात्री सवार थे. उन्होंने लोको पायलट के बयान के हवाले से बताया कि जब ट्रेन मुल्तान के शेरशाह स्टेशन से गुजर रही थी, तो उसे अचानक एक झटका महसूस हुआ जिसके बाद उसने ब्रेक लगाए. उन्होंने कहा, 'जब ट्रेन रुकी, तो उसके लगभग 14 डिब्बे पटरी से उतर चुके थे. प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जबकि राहत और बचाव दल ने पटरी से उतरे डिब्बों से यात्रियों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया है. उन्होंने कहा, 'एक यात्री के डिब्बे के भीतर फंसे होने की सूचना है और बचावकर्मों उस तक पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं.' पुलिस ने बताया

लगाते की कोशिश कर रहे हैं कि रोबोट को पहले से प्रोग्राम किया गया था या उसे रिमोट के जरिए उसी समय नियंत्रित किया जा रहा था। इस तरह की घटना पुलिस के लिए नया अनुभव है। जांच के दौरान रोबोट की तकनीकी कार्यप्रणाली और घटना में उसकी भूमिका को समझने की कोशिश की जा रही है। कार की डिक्की से मिला रोबोट : पुलिस ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि एक फास्ट-फ्यूड रेस्तरांत के पास घटना की सूचना मिलने पर आपातकालीन टीम मौके पर पहुंची। वहां एक कार की डिक्की में रोबोट मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। अधिकारियों ने रोबोट के साथ दोनों युवकों के मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में लिए हैं। इन उपकरणों की जांच से घटना की रिकॉर्डिंग और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़ी जानकारी मिलने की उम्मीद है।

जानकारी के मुताबिक, रोबोट का मालिक 16 साल का है, जबकि उसके साथ मौजूद दूसरा युवक 19 वर्ष का बताया जा रहा है। रोबोट की लंबाई करीब 120 सेंटीमीटर यानी लगभग 3 फीट 11 इंच है। जर्मनी की पुलिस ने सोशल मीडिया पर रोबोट की तस्वीर भी साझा की है। तस्वीर में रोबोट लाल और सुनहरे रंग का दिखाई दे रहा है। उसने स्फेद टैंक टॉप, काले ट्रेक पैट, गले में सोने की चेन और धूप का चश्मा पहन रखा है।

मुस्लिम आबादी 96%, सेकुलर देश... हिजाब बैन के बाद अजरबैजान में सिस्टम वर्सेज स्टूडेंट!

बाकु, एजेंसी। अजरबैजान की आबादी लगभग 100 फीसदी मुस्लिम है. लेकिन संविधान सेकुलर. सरकार के आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध नहीं है. लेकिन कानून कहता है कि वैसे लिबास न पहने जाए जिससे देश का सेकुलर कैरेक्टर प्रभावित हो. हालांकि नियम लागू होने के बाद हिजाब पहनकर स्कूल आने वाली छात्राओं को टोका जा रहा है.

'अगर क्लास में आना है तो हिजाब नहीं पहनना पड़ेगा.' जिस देश की आबादी की 96 फीसदी जनता मुस्लिम हो अगर वहां की सरकार ऐसे नियम निकाले तो थोड़ा चौंकना लाजिमी है. लेकिन स्टूटल एशिया के देश अजरबैजान में ऐसा ही हुआ है. यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं है या शिक्षा के धर्मनिरपेक्ष चरित्र के



की लगभग 96 प्रतिशत आबादी खुद को मुस्लिम मानती है. लेकिन वहां का संविधान देश को धर्मनिरपेक्ष बताता है और साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी भी देता है. लेकिन यहां की सरकार ने देश के सेकुलर फ्रेमवर्क को आधार मानते हुए सरकारी स्कूलों में ऐसे कपड़ों पर रोक लगाई गई, जो निर्धारित यूनिफॉर्म के अनुरूप नहीं है या शिक्षा के धर्मनिरपेक्ष चरित्र के

ड्रेस कोड को लागू करने के तरीके ने विरोध की लहर पैदा कर दी है. हिजाब पहनी छात्राएं कह रही हैं कि उन्हें क्लास में नहीं जाने दिया जा रहा है. दूसरी छात्राएं उनके समर्थन में क्लास का बहिर्गम कर रही हैं और पुलिस ने प्रदर्शनों के सिलसिले में 37 लोगों को गिरफ्तार किया है. इस विवाद का सबसे अहम पहलू यह है कि अजरबैजान की सरकार ने अपने आदेश में हिजाब पर सीधे प्रतिबंध लगाने की बात नहीं लिखी है. लेकिन धर्मनिरपेक्ष शिक्षा और एक समान स्कूल यूनिफॉर्म के नाम पर बनाए गए नियमों की वजह से कई स्कूलों में हिजाब पहनने वाली छात्राओं को स्कूलों में रोका जा रहा है. यही वजह है कि विवाद अब सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धार्मिक स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार और राज्य की सीमाओं पर सवाल उठा रहा है।

अस्पताल के बाहर उपड़ी भीड़, पोप ने हाथ हिलाकर स्वीकारा अभिवादन

पहुंचने से पहले बड़ी संख्या में श्रद्धालु घंटों बाहर खड़े रहे और उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हुए नारे लगाए। पोप ने अपनी कार की पिछली खिड़की से मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। अस्पताल पहुंचने पर जब स्वास्थ्यकर्मियों ने उनके प्रति सहानुभूति जताई, तो पोप ने मुस्कुराते हुए सहज भाव से उनका हाँसला बढ़ाया। अमेरिका में जन्मे पहले पोप

बनाएंगे जिन्हें खाली करने का आदेश दिया गया है। इस चेतावनी में सऊदी अरब के दमाम स्थित अरामको कंपनी के मुख्यालय, किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और रियाद में अरामको से जुड़े एक रिफाइनरी परिसर को खाली करने की बात कही गई। अल जजीरा के संवाददाता ने कहा कि अंसार अल्लाह हूती समूह ने अभी तक कोई हमला नहीं किया है, लेकिन जवाबी कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

विस्फोट की आवाज सुनी। मावरी के अनुसार, सऊदी अरब ने रास ईसा बंदरगाह पर यमनी तेल भंडारण टैंकों और हूती नियंत्रण वाले होदेइडा प्रांत में एक तेल स्टेशन को भी निशाना बनाते हुए दो अन्य हवाई हमले किए। बताए गए विस्फोटों के बाद याह्या सरी ने कहा कि हूती लड़ाके सना में सऊदी समर्थित बलों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गठबंधन ने सना पर हमला किया, तो सऊदी राजधानी रियाद में इसका कड़ा और दर्दनाक जवाब दिया जाएगा। सरी ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि यदि सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन सना पर हमला करता है, तो हूती उन ठिकानों को निशाना

याह्या सरी ने यह चेतावनी सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की ओर से यमन की राजधानी सना में हूती नियंत्रण वाले इलाके में स्थित यमनी ऑयल कंपनी के अल-सबाहा केंद्रीय स्टेशन को खाली कराने के आदेश के बाद दी। गठबंधन के आदेश के कुछ ही समय बाद सना में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। हूती समर्थक मीडिया संस्थानों ने दावा किया कि सऊदी समर्थित बलों ने राजधानी के अल-सबाहा इलाके में एक तेल प्रतिष्ठान पर हवाई हमले किए। अल जजीरा के संवाददाता यूसुफ मावरी ने कहा कि उन्होंने सना में यमनी ऑयल के अल-सबाहा केंद्रीय स्टेशन पर सऊदी अरब के हमले के दौरान



और हवाई अड्डों को खाली करने की चेतावनी यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब से जीत पहले ही हासिल कर चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव के बाद वह इस घटना को नहीं भूलेंगे। सऊदी अरब में तेल ठिकानों

संक्षिप्त

समाचार

फीफा-ई फाइनल्स टला, सऊदी अरब पर हमला बना वजह

नई दिल्ली। फीफा और सऊदी ईसपोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के आयोजक ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है।' इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, 'फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईसपोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है।'

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका: ग्रीन के दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 18 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट से पहले मुश्किलें बढ़ गई हैं। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का चोट की वजह से दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार है। डरबन टेस्ट में जीत के बाद कोच मैकडोनाल्ड ने ग्रीन की स्थिति पर अपडेट दिया। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि ग्रीन बल्लेबाज के तौर पर बेशक फिट हो जाएं, लेकिन इस सीरीज में उनके गेंदबाजी करने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा, ग्रीन अच्छी प्रोप्रस कर रहे हैं। अगले तीन-चार दिनों में उन्हें कुछ टेस्ट से गुजरना है। सीफ्ट टिश्यू इंजरी है, इसलिए इसमें तेजी से सुधार भी हो सकता है। जोश ने इस टेस्ट के दौरान लंच टाइम में नेट्स के पीछे कुछ शॉट्स खेले और वह ठीक रहा। अब यह देखा है कि स्पिंट के साथ उसे कितना आराम है। गंकेबरहा में उनके सेशन होंगे, तब हमें ज्यादा जानकारी मिलेगी। अगर ग्रीन गंकेबरहा या केप टाउन टेस्ट के लिए उपलब्ध होते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के सामने मध्य क्रम का संयोजन तलाशने की चुनौती होगी। इसका असर ब्यु वेबस्टर पर पड़ सकता है, जिन्हें अपनी जगह बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। मालूम हो कि अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाज थे। ग्रीन की चोट के कारण ही डरबन में ऑस्ट्रेलिया को बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ा था। मैट रेनशॉ को नंबर 5 पर भेजा गया और निक मैडिनसन को टैविस हेड के साथ ओपनिंग कराई गई, जिसका फैसला कप्तान पैट कमिंस ने लिया था।

विश्वजीत ने जीता सिल्वर मेडल

लास वेगास। भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारमिदजे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल



करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को बीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

बिग बैश में फिर साथ खेलेंग रिशाद और जम्पा

नई दिल्ली। होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 124 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेंस के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्रीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, 'रिशाद ने हमें यह बिस्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिलाया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेंस में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे।'



मारेस्का बोले-हार से सबक लेगी मैनेचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर। एजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनेचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनेचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनेचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, 'हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूँ, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूँ। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सब कहें तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए।' मारेस्का ने कहा, 'वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं।'



रियल मैड्रिड की शानदार जीत, एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम। जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडियार ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोटोईस को हम्रोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5 मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्सट्रा टाइम



में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया। दूसरे हाफ में रोमा ने फिर पकड़ बनाई। 51वें मिनट में मालेन ने गोल कर रोमा को 2-1 से आगे कर दिया और 58वें मिनट में उसी मालेन ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

67वें मिनट में एमबाप्पे ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण वीएआर ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद मोरिन्हो की टीम ने ऑल-आउट अटैक शुरू कर दिया। 83वें मिनट में पहला ब्रेकथ्रू मिला। अर्दा गुलर के कॉर्नर पर एंड्रिक ने हेडर मारा, गोलिनी ने उसे रोक़ा, लेकिन रिबाउंड पर एस्पी ने गेंद को जाल में डाल दिया। स्कोर 3-2 हो गया। चार मिनट बाद फिर वही कॉम्बिनेशन-गुलर का कॉर्नर, एंड्रिक का हेडर-इस बार सीधा गोल में चला गया और स्कोर 3-3 हो गया। रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुकी। 90वें मिनट में गुलर के एक और कॉर्नर पर एंटोनियो रुडियार ने एक्जोबैटिक स्टाइक से गोल कर दिया। 1-3 से पिछड़ने के बाद मोरिन्हो की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

पंजाब बंद का दिखा मिला-जुला असर

लुधियाना(ईएमएस)। पंजाब के गुरुवार को पंजाब बंद की कॉल मानसा में एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट दी गई थी, जिसका मिला-जुला परामिंद झोटा की हत्या के बाद असर देखने को मिला। लुधियाना,

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SURESHBHAI TO NEW NAME SURESH MAHLA AS PER DOCUMENTS

पठानकोट, गुरदासपुर, बठिंडा, हाईवे जाम किए। जालंधर, मानसा और जालंधर में प्राइवेट स्कूल-कॉलेज बंद रहे। सरकारी स्कूलों में लुट्टी नहीं थी, लेकिन छात्र नहीं आए। सभी जिलों में बाजार बंद रहे। किसान संगठनों ने लुधियाना, बठिंडा और मोहाली से चंडीगढ़ जाने वाले नेशनल

हाईवे जाम किए। जालंधर, बठिंडा और फरीदकोट में किसान नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। मानसा में परविंदर झोटा की 13 अक्टूबर को नशा बेचने का विरोध करने पर मेडिकल स्टोर मालिक अश्विनी कुमार ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

संघ प्रवेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव का केंद्रीयानिष्ठ प्रमाण	
पुनः नाम लेने से संबंधित, केंद्रीय एवं डीडी	
रुपय	
तीसरे खेले डिविजा बीच गेस 2027 के उद्घाटन एवं समापन समारोहों के आयोजन हेतु इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव	
अपेक्षणी नंबर: DMS/SPORTS/KIBG-EMA-O&C/2026-27/358	तारीख: 14/10/2026
निविदा संदर्भ नंबर: SPKTS/KIBG-EMA-O&C/2026-27/358	तारीख: 14/10/2026
निविदा आईडी: 2026_DAMAM_5016_1	
किसर के लिए कृपया कने करें	बोली बमा करने की ग्रेडिंट टाइम: (03/11/2026, 06-00 PM तक)
https://ddtenders.gov.in	
निविदा का संयोजक अधिकारी (पुनः नाम लेने से संबंधित, केंद्रीय एवं डीडी)	
No:IP/DNM/2/5/2026-27/588 DTD: 15/10/2026	

संघ प्रवेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव का केंद्रीयानिष्ठ प्रमाण	
पुनः नाम लेने से संबंधित, केंद्रीय एवं डीडी	
रुपय	
तीसरे खेले डिविजा बीच गेस 2027 के उद्घाटन एवं समापन समारोहों के आयोजन हेतु इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव	
अपेक्षणी नंबर: DMS/SPORTS/KIBG-EMA-O&C/2026-27/358	तारीख: 14/10/2026
निविदा संदर्भ नंबर: SPKTS/KIBG-EMA-O&C/2026-27/358	तारीख: 14/10/2026
निविदा आईडी: 2026_DAMAM_5016_1	
किसर के लिए कृपया कने करें	बोली बमा करने की ग्रेडिंट टाइम: (03/11/2026, 06-00 PM तक)
https://ddtenders.gov.in	
निविदा का संयोजक अधिकारी (पुनः नाम लेने से संबंधित, केंद्रीय एवं डीडी)	
No:IP/DNM/2/5/2026-27/589 DTD: 15/10/2026	

Advocate for applicant: Maulik N. Paida Next date: 05/11/2026	
PUBLIC NOTICE	
IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.	
CNR-UTDD02-0006762026 C.M.A.No.389/2026	
Harijivan Babu Patel & 1 Anr	Applicant/s
Vs	
The Civil Registrar Diu.	Opponent/s
The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.	
Whereas they intend to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 227/2014, dated: 19/05/2014.	
Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.	
Place: Diu. Date: 06/10/2026	By Order A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida Next date: 06/11/2026	
PUBLIC NOTICE	
IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.	
CNR-UTDD02-0006792026 C.M.A.No.382/2026	
Manishkumar Lalji & 1 Anr	Applicant/s
Vs	
The Civil Registrar Diu.	Opponent/s
The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.	
Whereas they intend to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 391/2014, dated: 30/06/2014.	
Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.	
Place: Diu. Date: 07/10/2026	By Order A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida Next date: 18/11/2026	
PUBLIC NOTICE	
IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.	
CNR-UTDD02-0006852026 C.M.A.No.387/2026	
Jayesh Mavji & 1 Anr	Applicant/s
Vs	
The Civil Registrar Diu.	Opponent/s
The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.	
Whereas they intend to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 276/2018, dated: 02/07/2018.	
Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.	
Place: Diu. Date: 09/10/2026	By Order A.S. / Superintendent, Diu

Advocate for applicant: Maulik N. Paida Next date: 06/11/2026	
PUBLIC NOTICE	
IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.	
CNR-UTDD02-0006782026 C.M.A.No.381/2026	
Solanki Jigneshkumar Ratilal & 1 Anr	Applicant/s
Vs	
The Civil Registrar Diu.	Opponent/s
The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.	
Whereas they intend to rectify the date of marriage / their names / their parent names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage Entry No. 24/2012, dated: 17/01/2012.	
Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court, then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.	
Place: Diu. Date: 07/10/2026	By Order A.S. / Superintendent, Diu

मनीष पॉल ने खोले बॉलीवुड के राज

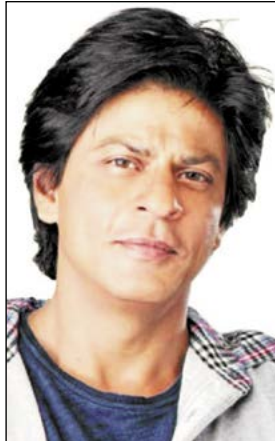


मनीष पॉल अब इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर होस्टिंग कर अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद मनीष ने बॉलीवुड में हाथ अजमाया और 'मिकी वायरस' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अपने करियर में होस्ट और अभिनेता ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों के साथ स्टेज शेयर किया। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव बताया। मनीष ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के साथ काम किया है, उनके साथ मजाक करते हैं, लेकिन निर्माता-निर्देशन ने कभी उनकी बातों का बुरा नहीं माना। मनीष बोले, 'करण सर मेरे साथ काम करने वाले सबसे शानदार को-होस्ट हैं। शाहरुख खान सर और सलमान सर इतने बड़े सितारे हैं, लेकिन उनमें दूसरों को सहज महसूस कराने की खासियत है। वे इतने बड़े नाम हैं कि चाहें तो इस बात को लेकर सोच सकते हैं कि कहीं मनीष उनसे ज्यादा न बोलने लगे। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते।' मनीष ने आगे कहा, 'मैं करण सर का काफी मजाक उड़ाता हूँ और हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। भगवान का शुक्र है कि लोगों को भी यह पसंद आता है। करण सर ने

मेरी किसी भी बात का कभी बुरा नहीं माना। मैंने उनके साथ कई बार मजाक किया है। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे पता है कि कब रुकना है। मैं अपनी हद पार नहीं करता।'

शाहरुख को लेकर बोले मनीष

मनीष पॉल ने शाहरुख खान के साथ एक इवेंट होस्ट करने का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब वह नए थे, तब शाहरुख के साथ काम करते हुए काफी घबराते थे। ऐसे में शाहरुख ने उन्हें सहज महसूस कराया। मनीष ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने शाहरुख खान के साथ मुंबई पुलिस के कई शो होस्ट किए थे। उस



समय मैं नया था और काफी नर्वस रहता था। एक बार उन्होंने मुझे अपने वैनिटी वैन में बुलाया। जब मैं अंदर गया तो उन्होंने बहुत गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। मनीष के मुताबिक, फिर शाहरुख सर ने स्क्रिप्ट देखी और पाया कि सभी डायलॉग और जोक्स उनको ही दे दिए थे। मनीष के लिए कुछ नहीं था। ऐसे में किंग खान ने सवाल उठाया कि अगर सारे डायलॉग और जोक्स मुझे ही देने थे, तो फिर यह यहां खड़ा क्या कर रहा है? मनीष के मुताबिक, शाहरुख ने आगे कहा, 'यह यहां सिर्फ खड़े रहने के लिए नहीं आया है।' इसके बाद किंग ने मनीष से कहा, 'मनीष, मेरे ऊपर भी दो-चार जोक्स करो।'

मनीष ने की सलमान की तारीफ

मनीष पॉल ने सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर पैपराजी की आलोचना करते हुए सलमान की हालिया टिप्पणी का समर्थन किया। मनीष ने कहा, 'यह बहुत शानदार था और इसकी काफी जरूरत थी। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ऐसा किया। मुझे लगता है कि वह अकेले ऐसे शख्स हैं, जिनकी बात लोग सुनेंगे। अब लोग उनकी बात सुन भी रहे हैं। जब भाई कुछ कहते हैं, तो फिर बात वहीं खत्म हो जाती है।'



15 साल बाद आणा द डर्टी पिक्चर का सीक्वल

एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात करते हुए यह कन्फर्म कर दिया है कि वह 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई चीजें शेयर की।

साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। मिलन लुथरिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। इसमें विद्या बालन ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर भी नजर आए थे। अब फिल्म की निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में इसके सीक्वल को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी से जुड़ा भी अपडेट शेयर किया।

एकता ने कहा कि वह काफी समय से फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल के बारे में सोच रही थीं। अब उन्हें ऐसी कहानी मिल गई है, जिसे वह दर्शकों को सुनाना चाहती हैं। निर्माता ने यह भी बताया कि पहली फिल्म की तरह नई फिल्म भी किसी एक व्यक्ति की

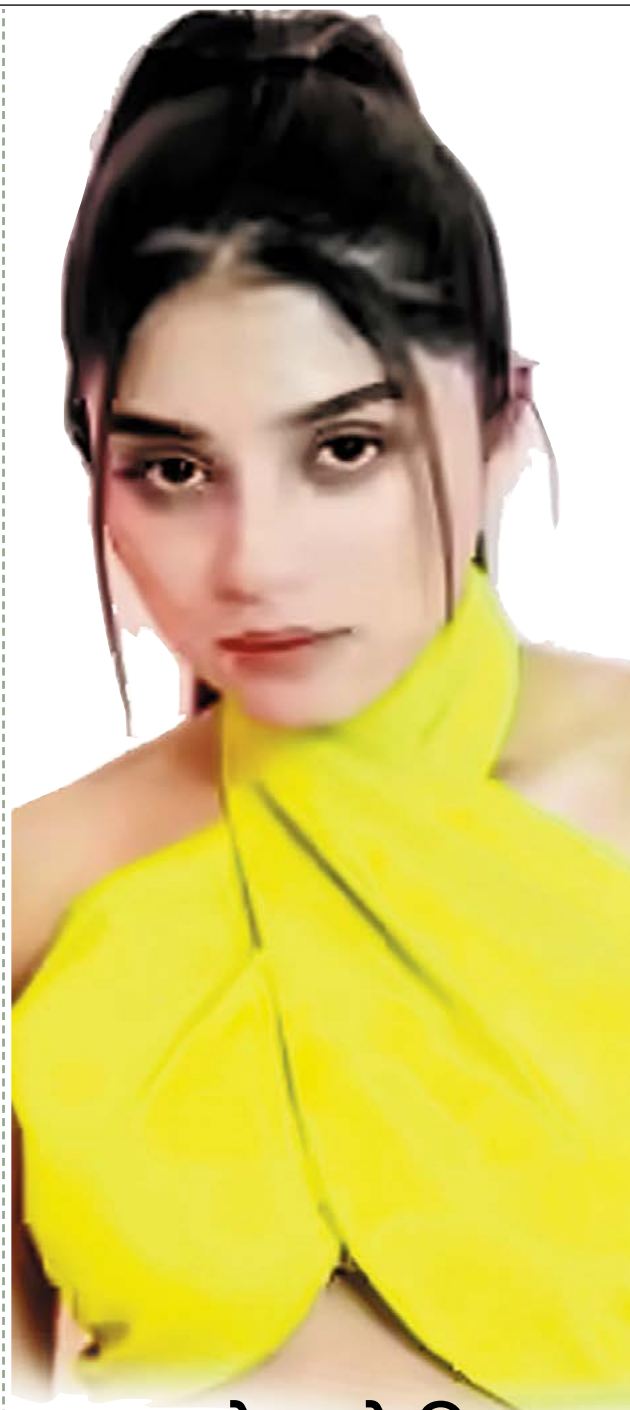
जिंदगी पर आधारित होगी। हालांकि, इस बार कहानी किसके इर्द-गिर्द घूमेगी, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। एकता कपूर ने कहा, 'मैं एक बहुत बड़ी फिल्म बना रही हूँ, जिसका नाम 'द डर्टी पिक्चर 2' है। मैं 15 साल बाद इसकी योजना बना रही हूँ। इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास एक ऐसी कहानी है, जिसे मैं बताना चाहती हूँ।'

पहली फिल्म को लेकर क्या बोलीं एकता

एकता ने पहली फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि 'द डर्टी पिक्चर' सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। यह एक ऐसी महिला की कहानी थी, जिसे अपनी यौन स्वतंत्रता को खुलकर स्वीकार करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। एकता के मुताबिक, उन्होंने सिल्क स्मिता को कभी पोंडित के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी महिला के तौर पर देखा, जिसने अपनी यौन स्वतंत्रता को अपनाया और उसका जश्न मनाया। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिसर्पोन्स मिला था। बता दें कि फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी से प्रेरित थी और इसमें दक्षिण भारतीय फिल्म 'इंडस्ट्री' में उनके संघर्ष, सफलता और निजी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया था।

सिल्क स्मिता ने कितनी फिल्मों में किया काम

सिल्क स्मिता ने अपने करीब 18 साल के करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था। फिर 35 साल की उम्र में सिल्क स्मिता ने अपने चेन्नई स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। बता दें कि फिल्म में सिल्क स्मिता का किरदार निभाने वाली विद्या बालन को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।



हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं

'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रही टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। आईएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, 'लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यही से होती है।' काम और पब्लिक लाइफ के दौरान मिलने वाले कमेंट्स पर बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, 'हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूँ कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूँ, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को

अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दें।' उन्होंने आगे कहा, 'जब इंसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इंसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।' एक्ट्रेस ने कहा, 'दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूँ कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वास्थी होना नहीं है।' उन्होंने आगे कहा, 'जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है।



रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और सबसे बड़ी सपोर्टर



अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने जीवन में रकुल के साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके

प्रति अपना प्यार जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर मैं अब भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता कि मैं कितना भाग्यशाली हूँ। मेरी ताकत, मेरी एकमात्र समर्थक और मेरे जीवन के प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी असीम ऊर्जा और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए धन्यवाद। सपनों को पूरा करने और साथ में खूबसूरत यादें बनाने का एक और साल मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूँ।' तस्वीर में रकुल और जैकी एक-दूसरे के करीब खड़े होकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ में बिताए कुछ और खुशनुमा पलों की तस्वीरें भी साझा कीं। दरअसल, रकुल और जैकी ने अक्टूबर 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया था। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की घोषणा करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक गुप्त रखा था। कुछ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी कर ली। उनकी शादी के समारोह में दोनों परिवारों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए रस्में निभाई गईं। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया और 21 फरवरी 2024 को गोवा में सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का सम्मान करते हुए शादी की।



सलमान खान ने लॉन्च अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान'

सलमान खान ने अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान' लॉन्च किया है। इस चैनल के जरिए फैंस उनके सफर को दोबारा देख सकेंगे और उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को जान सकेंगे। चैनल में एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और सलमान के खास अंदाज पर ध्यान दिया गया है। इसमें मजेदार तरीके से दिखाया गया है कि पर्दे पर सलमान का अंदाज कैसे उनकी पहचान बना। हाल ही में सलमान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चैनल का लिंक शेयर किया और फैंस को इसे देखने के लिए कहा। आमतौर पर सेलिब्रिटी अपने यूट्यूब चैनल पर निजी जिंदगी या फिल्मों की शूटिंग के पीछे के पल शेयर करते हैं। लेकिन सलमान का यह चैनल कुछ अलग है। इसमें स्क्रीन पर सलमान के दो रूप नजर आते हैं। एक अनुभवी एक्टिंग और पर्सनैलिटी कोच के रूप में है, जबकि दूसरा एक स्टूडेंट है, जो एक्टिंग सीख रहा है। सलमान ने 22 सितंबर को 'बीइंग द सलमान खान' चैनल लॉन्च किया था। अब तक इस पर 10 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। कई वीडियो में कोच के रूप में नजर आने वाले सलमान, स्टूडेंट को बॉडी मूवमेंट, डायलॉग बोलने के तरीके और अपने खास अंदाज के बारे में सिखाते हैं। इन वीडियो के जरिए दर्शकों को सलमान की स्क्रीन पर पहचानी जाने वाली खूबियों की मजेदार झलक देखने को मिलती है। चैनल का लिंक शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, 'शुरु से शुरू करते हैं। मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।'

2020 में आया था ये चैनल

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने यूट्यूब पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इससे पहले उन्होंने 2020 में 'सलमान खान फिल्म म्यूजिक' चैनल शुरू किया था। इस चैनल पर करीब 30 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यहां उनकी फिल्मों के गानों के साथ-साथ अलग से रिलीज किए गए म्यूजिक भी मौजूद हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान सलमान ने गायकी में भी हाथ आजमाया था। इस दौरान उन्होंने 'प्यार करोना' और 'तेरे बिना' जैसे गाने रिलीज किए थे। इससे एक्टिंग के अलावा उनके काम का एक और पहलू सामने आया। अब नए चैनल के जरिए वह अपने सफर को नए अंदाज में पेश कर रहे हैं और पर्दे पर बनी अपनी छवि के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं।



पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा ने किया बाल आश्रम का दौरा, बच्चों के पुनर्वास के लिए आर्थिक सहयोग की पहल



■ बाल मजदूरी और मानव तस्करी से बचाए गए बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण को मिलेगा बढ़ावा ■ नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी ने पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा का किया स्वागत



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 15 अक्टूबर। मानवाधिकारों, बाल सुरक्षा, विकास के प्रति पुर्तगाल की वैश्विक एकजुटता और सामाजिक प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए

भारत में पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा ने बाल आश्रम का दूसरी बार दौरा किया। भारत में पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा ने बाल आश्रम के बच्चों से मिलकर खुशी व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उनकी पहली व्यक्तिगत यात्रा उनके दिलो-दिमाग पर कितनी गहरी छाप छोड़ गई थी। उन्होंने उन बच्चों से हुई अपनी मुलाकात को याद किया, जो अत्यंत कठिन और

विपरीत परिस्थितियों से बाहर निकलकर आए थे। इस अवसर पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी ने पुर्तगाल के राजदूत जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा का स्वागत किया। बाल आश्रम, नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता कैलाश सत्यार्थी द्वारा शुरू किए गए सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल

कमैशन का सबसे पुराना दीर्घकालिक पुनर्वास केंद्र है। यहां बाल मजदूरी, मानव तस्करी और अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाए गए बच्चों के पुनर्वास तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य किया जाता है। बाल आश्रम को एक ऐसी जगह के रूप में विकसित किया गया है, जहां बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और भावनात्मक सहयोग प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाता है। इसे करुणा और मानवीय संवेदनाओं की एक प्रयोगशाला के रूप में देखा जाता

है, जहां बच्चों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के अवसर मिलते हैं। राजदूत के इस दौरे के दौरान बाल आश्रम में संचालित गतिविधियों और वहां की परिस्थितियों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वित्तीय सहायता प्रदान करने की पहल को औपचारिक रूप दिया गया। यह सहयोग कैमोस, आई.पी. द्वारा उपलब्ध कराए गए स्मॉल प्रोजेक्ट्स फंड के अंतर्गत किया जा रहा है। इस आर्थिक मदद से बच्चों के पुनर्वास और उनकी देखभाल से जुड़े कार्यों को मजबूती मिलने की

उम्मीद है। पुर्तगाल की यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और बच्चों के कल्याण के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर प्रभावी सामाजिक परियोजनाओं को प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही, यह संदेश भी देती है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और एकजुटता केवल विचारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें ठोस कार्यों में बदलना आवश्यक है। बाल आश्रम के माध्यम से बच्चों के बुनियादी अधिकारों की रक्षा, उनके सम्मानजनक जीवन और बेहतर भविष्य के निर्माण की दिशा में यह सहयोग महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दमण में राजस्थानी जायके ने दी दस्तक: काइरस दादाचांजी ने फीता काटकर किया प्रतिष्ठान का उद्घाटन



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 15 अक्टूबर। राजस्थानी जायके का स्वाद दिलाने हेतु आज नानी दमण के तीन बत्ती पर प्रतिभा अचार का उद्घाटन हुआ है। इस प्रतिष्ठान पर अचार, बीकानेरी मिठाइयों, पापड़ एवं अन्य स्वादिष्ट उत्पादों के माध्यम से ग्राहकों को राजस्थानी जायके का आनंद दमण में ही मिल सकेगा। दादाचांजी ग्रुप के मालिक काइरस दादाचांजी ने विशाल टंडेल एवं पॉलीकेब ईंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट रमेश कुंदनानी एवं समाजसेवी बाबूलाल शर्मा के साथ प्रतिभा अचार सेंटर का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह से पूर्व

राजस्थानी जायके का स्वाद दिलाने हेतु आज नानी दमण के तीन बत्ती पर प्रतिभा अचार का उद्घाटन हुआ है। इस प्रतिष्ठान पर अचार, बीकानेरी मिठाइयों, पापड़ एवं अन्य स्वादिष्ट उत्पादों के माध्यम से ग्राहकों को राजस्थानी जायके का आनंद दमण में ही मिल सकेगा। दादाचांजी ग्रुप के मालिक काइरस दादाचांजी ने विशाल टंडेल एवं पॉलीकेब ईंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसीडेंट रमेश कुंदनानी एवं समाजसेवी बाबूलाल शर्मा के साथ प्रतिभा अचार सेंटर का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह से पूर्व

सतीश शर्मा ने काइरस दादाचांजी सहित समारोह में पहुंचे अन्य अतिथियों का पुष्प भेंटकर स्वागत किया। प्रतिष्ठान पर पहुंचने के बाद काइरस दादाचांजी ने विभिन्न प्रकार के अचार एवं बीकानेरी मिठाइयों का स्वाद चखा और राजस्थानी उत्पादों की जानकारी ली। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अग्रवाल, दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल, भाजपा प्रमुख महेश आगरिया, महामंत्री जिनेश पटेल, के. सी. पारेख, डीआईए के पूर्व प्रमुख संजीव तिवारी, दामिनी वुमैस फाउंडेशन की चेयरपर्सन

सिपल काटेला, दमण भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, काउंसिलर अस्पी दमणिया, माजीद लाधाणी, शरद पुरोहित एवं विजय सौथलिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान के शुभारंभ से दमण के लोगों को राजस्थानी के पारंपरिक खाद्य उत्पादों का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा। विभिन्न प्रकार के अचार, बीकानेरी मिठाइयों, पापड़ एवं अन्य उत्पादों की उपलब्धता से राजस्थानी खानपान के शौकीनों को एक ही स्थान पर विविध विकल्प मिल सकेंगे।

श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और काउंसिलर अस्पी दमणिया ने कड़ैया अंबा माता मंदिर के नवरात्रि महोत्सव में की मां अंबे की आरती

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 15 अक्टूबर। नवरात्रि के पावन पर्व पर कड़ैया स्थित अंबा माता मंदिर में भक्तिभाव के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और काउंसिलर अस्पी दमणिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने माता रानी की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त किए और प्रदेश के सभी



नागरिकों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर

रहा और पूरा परिसर जय माताजी के जयघोष से गुंज उठा।

रहा और पूरा परिसर जय माताजी के जयघोष से गुंज उठा।

जल संचय मिशन भीमपोर: सरपंच उदय पटेल ने हर महीने अपने सरकारी भत्ते से एक बोरेल रिचार्ज करने का लिया संकल्प

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 15 अक्टूबर। भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत द्वारा भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जल संचय मिशन-भीमपोर के अंतर्गत आज दो बंद बोरेल के रिचार्ज कार्य की शुरुआत की गई। ग्रामवासियों एवं पंचायत सदस्यों की उपस्थिति, जनभागीदारी और श्रमदान से यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। पंचायत के सर्वेक्षण के अनुसार, भीमपोर पंचायत क्षेत्र में 100 से अधिक बंद, अनुपयोगी अथवा सूखे सरकारी बोरेल हैं। पंचायत का प्रयास है कि तकनीकी जांच के आधार पर उपयुक्त बोरेल की पहचान कर वर्षा जल को व्यर्थ बहने से रोका जाए और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जाए। इस अवसर पर सरपंच उदय पटेल ने संकल्प लिया कि उन्हें मिलने वाले सभी सरकारी भत्तों का उपयोग प्रत्येक महीने एक बोरेल रिचार्ज कार्य के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल पंचायत के विकास कार्यों

तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण की दिशा में ठोस पहल करना भी है। यदि हम सब मिलकर प्रयास करें, तो वर्षा जल का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। मैं अपने सरकारी भत्तों का उपयोग इस जनहित के कार्य में करना चाहता हूँ, ताकि भीमपोर को जलसमृद्ध बनाने के अभियान में व्यक्तिगत योगदान दे सकूँ। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामवासियों और पंचायत सदस्यों ने श्रमदान एवं सहयोग के माध्यम से इस पहल में भाग लिया। पंचायत का उद्देश्य जनभागीदारी के आधार पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तकनीकी रूप से उपयुक्त बोरेल के माध्यम से भूजल पुनर्भरण के प्रयासों को आगे बढ़ाना है। सरपंच ने सभी ग्रामवासियों, युवाओं और सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सहयोग देने की अपील की। सरपंच उदय पटेल ने मेरा भत्ता, मेरे गांव के जल संरक्षण के लिए - आज का श्रमदान, कल का जल संरक्षण का संदेश दिया।



दमण-दीव कांग्रेस कमेटी ने दमण और दीव कलेक्टर को पत्र लिखकर देर रात 1 बजे तक गरबा खेलने का समय बढ़ाने की उठाई मांग

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/दीव, 15 अक्टूबर। नवरात्रि महोत्सव के दौरान गरबा आयोजनों की समय-सीमा बढ़ाने की मांग को लेकर दमण-दीव प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से दमण और दीव के जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर प्रशासन को पत्र लिखा गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रशासन को लिखे गए आवेदन पत्र में दमण और दीव में हो रहे नवरात्रि आयोजनों में हाल में जारी रात 11 बजे तक की समय-सीमा को

बढ़ाकर रात 1 बजे तक करने और कानूनी प्रावधानों के तहत संभव होने पर रात 2 बजे तक अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। आवेदन में नवरात्रि को धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व बताया हुआ है कि गरबा सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। आयोजकों को रात 11 बजे तक कार्यक्रम समाप्त करने के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए कमेटी ने प्रशासन से जनभावनाओं

को ध्यान में रखकर समय बढ़ाने पर विचार करने की अपील की है। कांग्रेस कमेटी ने सौंपे आवेदन में कानूनी पक्ष में ध्वनि प्रदूषण विनियमन एवं नियंत्रण नियम 2000 के नियम 5(3) का हवाला देते हुए संबंधित वैधानिक प्रावधानों और सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों की समीक्षा करने का अनुरोध किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी प्रकार की अतिरिक्त छूट लागू कानून, सरकारी निर्देशों

और सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अधीन ही दी जाए। कांग्रेस कमेटी ने सौंपे आवेदन में ध्वनि प्रदूषण के निर्धारित मानकों, सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और स्थानीय निवासियों की सुविधा का ध्यान रखने पर भी जोर दिया है। प्रशासन से नवरात्रि की पात्र रात्रियों में गरबा का समय बढ़ाने तथा आवश्यकता पड़ने पर मामले को संबंधित सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखने की अपील की गई है।

दीव में मासूम भाई-बहन की मौत मामले में डॉक्टर गिरफ्तार

■ दीव पुलिस ने डॉक्टर को कोर्ट में किया पेश: 4 दिन की मिली ज्युडिशियल कस्टडी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 15 अक्टूबर। दीव के साउदवाड़ी विस्तार स्थित नागशेरी में सगे मासूम भाई-बहन की अचानक हुई मौत मामले में दीव पुलिस ने वणकबारा के डॉक्टर परेश कुमार प्रेमजी सोलंकी को खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने डॉक्टर को दीव कोर्ट में पेश किया। जहां पर अदालत ने पुलिस रिमांड की मांग खारिज करते हुए आरोपी डॉक्टर को अमरेली जेल में न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच के दौरान सामने आया कि डॉक्टर परेश कुमार सोलंकी ने इन मासूम बच्चों की मौत से पहले उनका इलाज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हेल्थ ऑफिसर प्रताप सनेन और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने डॉक्टर परेश कुमार प्रेमजी सोलंकी के वणकबारा स्थित उमंग क्लीनिक पर छापेमारी की। टीम ने वहां से बड़ी मात्रा में संदिग्ध दवाएं जब्त की हैं। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि डॉक्टर मुख्य रूप से होम्योपैथिक पद्धति के हैं, लेकिन उनके द्वारा मरीजों को एलोपैथिक दवाइयां दिए जाने का गहरा संदेह है। दीव पुलिस ने इस मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125(ए), 125(बी), 318(4) और 319(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बच्चों की मौत और दी गई दवाओं के बीच सीधा संबंध है या नहीं, इसका अंतिम निष्कर्ष आना अभी बाकी है। क्लीनिक से जब्त की गई दवाओं और फॉरेंसिक साक्ष्यों को एफएसएल जांच के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चों की मौत का सही कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले के हर पहलू की गहराई से जांच कर रही है।



धनश्री पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड

तत्काल आवश्यकता है

प्लास्टिक

इंडस्ट्रीज के लिए

हमें असंगोना (महाराष्ट्र) में प्लास्टिक इंडस्ट्री के लिए तुरंत लोगों की आवश्यकता है...

शिफ्ट सुपरवाइजर - 3 व्यक्ति

और इंजीनियर - 1 व्यक्ति

प्लास्टिक इंडस्ट्री में कम से कम 3 साल का अनुभव

प्लास्टिक ब्लो मोल्डिंग मशीन ऑपरेटर

3 साल का अनुभव

सेल्स पर्सन

जिनकी फार्मा और केमिकल इंडस्ट्री में जान-पहचान हो।

इच्छुक उम्मीदवार तुरंत आवेदन कर सकते हैं या जल्द से जल्द हमसे संपर्क कर सकते हैं

+91 96193 11323